संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 348
पृष्ठ 8
गुरूवार
11 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए...

विचार- मोदी के नैतिक साहस पर सवाल

खेल- अफगानिस्तान ने एशिया कप टी20...

बोले सीएम योगी: 'योग्य गुरु मिले तो कोई भी मनुष्य अयोग्य नहीं'

- साधु अकेला, समाज उसका परिवार
- हिंदुआ सूर्य महाराणा प्रताप की परंपरा से गोरखपुर आए महंत दिग्विजयनाथ

गोरखपुर, संवाददाता। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है। अगर कोई मनुष्य अयोग्य है तो मानकर चलिए उसे योग्य योजक नहीं मिला। योग्य गुरु मिलने पर मनुष्य अयोग्य हो ही नहीं सकता। इस परिप्रेक्ष्य में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की सर्वस्वीकार्य प्रतिष्ठा सुयोग्य योजक की है। सीएम योगी को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 56वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धाजंलि समारोह के अंतर्गत बुधवार (आश्विन कृष्ण तृतीया) को महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि पर अपनी भावाभिव्यक्ति कर रहे थे। 'अमन्त्रमक्षरं नास्ति, नास्ति मूलमनौषधम, अयोग्यः पुरुषो नास्ति योजकस्तत्र दुर्लभः' का उद्धरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा कोई अक्षर नहीं है जिसमें मंत्र बनने का सामर्थ्य न हो और ऐसी कोई वनस्पति नहीं है जिसमें औषधीय गुण न हो। ऐसे ही कोई व्यक्ति अयोग्य नहीं होता, जरूरत होती है व्यक्ति की योग्यता को पहचान कर उसे सही दिशा देने वाले गुरु की। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय ने सदैव योजक की भूमिका का निर्वहन कर समाज और राष्ट्र को दिशा दिखाई। पूर्ववर्ती दोनों पीठाधीश्वरों युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज का पूरा जीवन देश और धर्म के लिए समर्पित था। मुख्यमंत्री ने कहा कि साधु अकेला होता है। समाज उसका परिवार, राष्ट्र उसका कुटुंब होता है और उसकी जाति सिर्फ सनातन होती है। उन्होंने कहा कि संतों के संकल्प में पवित्रता, दृढ़ता होती है, संकल्प में उसकी साधना के अंश होते हैं। और, जब सच्चा संत कोई संकल्प लेता है तो उसके परिणाम अवश्य आते हैं। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ ऐसे ही संकल्पों वाले संत थे। अयोध्या के श्रीराम मंदिर निर्माण के उनके संकल्प और संकल्प के प्रति किए गए संघर्ष का परिणाम आज पूरी दुनिया के सामने है।

मुख्यमंत्री ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति को नमन करते हुए कहा कि महंतश्री का जन्म इतिहास प्रसिद्ध मेवाड़ की उस कुल परंपरा में हुआ था जिसने विदेशी आक्रांताओं के सामने कभी समर्पण नहीं किया। वह हिंदुआ सूर्य महाराणा प्रताप की परंपरा से गोरखपुर आए। उनका जीवन सिर्फ आध्यात्मिक उन्नयन तक सीमित नहीं रहा बल्कि उन्होंने धर्म के अभ्युदय के साथ समाज और राष्ट्र के हित में सांसारिक उत्कर्ष को भी शिक्षा और सेवा के माध्यम से आमजन के लिए महत्व दिया। यही कार्य महंत अवेद्यनाथ जी ने भी किया। सीएम योगी ने कहा कि सच्चा साधु धर्म के अभ्युदय और निः श्रेयस, दोनों को साथ लेकर चलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी गोरखनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप के शिल्पी थे। उन्होंने इसे सनातन परंपरा के वैभवशाली मंदिर के रूप में स्थापित किया। इसके साथ ही उनकी ख्याति पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति के पुरोधा के रूप में भी है। 1932 में उन्होंने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना के साथ ही गोरखपुर में विश्वविद्यालय स्थापित करने का संकल्प लिया था।

देश की आजादी के बाद जब गोरखपुर में विश्वविद्यालय स्थापित करने की बात आगे बढ़ी तो बहुत से लोग पीछे हट गए। तब महंत दिग्विजयनाथ जी ने अपने दो डिग्री कॉलेज दान में देकर विश्वविद्यालय की स्थापना सुनिश्चित कराई। उन्होंने बालिका शिक्षा के केंद्र को भी स्थापित करने का संकल्प बालिका विद्यालय बनवाकर पूरा किया।

गुलामी के प्रतीकों को हटाने का लिया था संकल्प

सीएम योगी ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने गुलामी के प्रतीकों का हटाने का संकल्प लिया था। अयोध्या में गुलामी की निशानी ढांचे को हटाकर भव्य श्रीराम मंदिर बनाना उनका और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी का संकल्प और सपना था।

पीएम मोदी का यूपी-उत्तराखंड दौरा: वाराणसी में मॉरीशस पीएम से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 सितंबर को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड का दौरा करेंगे। वाराणसी में, प्रधानमंत्री मोदी मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम की मेज़बानी करेंगे, जो 9 से 16 सितंबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। इसके बाद, प्रधानमंत्री देहरादून जाएँगे, जहाँ वे उत्तराखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे और अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। ऐतिहासिक शहर वाराणसी में दोनों नेताओं के बीच यह बैठक स्थायी सभ्यतागत जुड़ाव, आध्यात्मिक बंधन और लोगों के बीच गहरे संबंधों को रेखांकित करती है, जिन्होंने भारत और मॉरीशस के बीच विशेष और अनूठे संबंधों को आकार दिया है। द्विपक्षीय चर्चाओं के दौरान, दोनों नेता सहयोग के संपूर्ण आयाम की समीक्षा करेंगे, जिसमें विकास साझेदारी और क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

कांग्रेस का देशभर में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान तेज, राहुल बोले- साबित होकर रहेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को अपने रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करते हुए कहा कि 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा पूरे देश में साबित हो रहा है और कांग्रेस पार्टी इसे बार-बार, और भी नाटकीय तरीकों से साबित करती रहेगी। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी के निर्वाचन क्षेत्र में ही एक रैली निकालकर कांग्रेस नेता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने बिहार में संपन्न हुई 'मतदाता अधिकार यात्रा' के मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माँ पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों के खिलाफ एक रैली निकाली। पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाजपा के झंडे और तख्तियाँ लेकर कांग्रेस सांसद के खिलाफ नारे लगाए। पुलिस अधिकारी भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश कर रहे थे और कुछ लोगों के सड़क पर बैठ जाने के बाद प्रदर्शनकारियों को सड़क से हटाने की कोशिश कर रहे थे। उत्तर प्रदेश के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने भी इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया और उत्तर प्रदेश के मंत्री ने एएनआई को बताया कि हम मांग करते हैं कि राहुल गांधी देश से माफ़ी मांगें।

आजम खान को डूंगरपुर कांड में मिली जमानत

लखनऊ, संवाददाता। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बुधवार को रामपुर के डूंगरपुर कांड में जेल में बंद समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने पिछले 12 अगस्त को बहस के बाद फैसला सुरक्षित रखते हुए यह फैसला सुनाया। रामपुर के चर्चित डूंगरपुर कांड से जुड़े एक मामले में रामपुर एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा दी गई 10 साल की सजा के खिलाफ आजम खान ने हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दायर की थी। इस मामले में, ठेकेदार बरकत अली ने भी सजा के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय में आपराधिक अपील दायर की है। दोनों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अपील लंबित रहने तक जमानत देने की मांग की थी। इस मामले में, ठेकेदार बरकत अली को भी इलाहाबाद उच्च न्यायालय से जमानत मिल गई थी। दोनों की आपराधिक अपील पर उच्च न्यायालय में एक साथ सुनवाई चल रही है। 30 मई, 2024 को रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने आज़म खान को दस साल की सजा सुनाई थी। आज़म खान ने इस सजा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। इस मामले में बरकत अली ठेकेदार को सात साल की सजा सुनाई गई थी। डूंगरपुर मामले में, अबरार नाम के एक व्यक्ति ने अगस्त 2019 में रामपुर के थाना गंज में सपा नेता आज़म खान, सेवानिवृत्त सीओ आले हसन खान और ठेकेदार बरकत अली उर्फ घ्घ्कीर मोहम्मद समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता अबरार के अनुसार, दिसंबर 2016 में आज़म खान, सेवानिवृत्त सीओ आले हसन खान और बरकत अली पर उनके घर में तोड़फोड़ करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया था। इसके साथ ही, उनके घर को भी ध्वस्त कर दिया गया था। तीन साल बाद 2019 में, अबरार ने थाना गंज में मामला दर्ज कराया।

रायबरेली में राहुल गांधी के दौरे पर सियासी बवाल, भाजपा कार्यकर्ताओं ने घेरा, योगी के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने रोका काफिला

रायबरेली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को अपने संसदीय क्षेत्र का दो दिवसीय दौरा शुरू किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत के बाद 29 अप्रैल को इस क्षेत्र का दौरा करने के बाद यह उनका पहला दौरा है। वह दिन में पहले लखनऊ पहुँचे, जहाँ उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा और पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। वहाँ से, वह सड़क मार्ग से रायबरेली पहुँचे। हालांकि, जानकारी के मुताबिक रायबरेली में राहुल गांधी का काफिला रोका गया। भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर बैठे रहे। भाजपा ने महागठबंधन के एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान राहुल गांधी वापस जाओ के नारे भी लगे। यूपी के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने बिहार में पीएम मोदी की मां को गाली दी...राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए और पीएम मोदी की मां को गाली देने वाले कार्यकर्ताओं की निंदा करनी चाहिए और उन्हें निष्कासित करना चाहिए। राहुल गांधी के कार्यक्रम में राजनीतिक कार्यक्रमों और जनसंपर्क कार्यक्रमों का मिश्रण शामिल है। बाद में, वह डिडौली स्थित बटोही रिसॉर्ट में हरचंदपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों से बातचीत करेंगे और उसके बाद लखनऊ-प्रयागराज राजमार्ग पर प्रगतिपुरम कॉलोनी के पास प्रजापति महासभा के एक समारोह में भाग लेंगे।

यूपी में हाई अलर्ट घोषित: नेपाल से जुड़ी हर सोशल मीडिया पोस्ट की हो रही निगरानी

लखनऊ, संवाददाता। नेपाल के पीएम के इस्तीफे के बाद सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों ने एक संयुक्त अपील की है। उन्होंने लोगों से संयम बरतने और बातचीत के जरिए संकट का समाधान निकालने की अपील की है। उन्होंने कहा, चूंकि राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री का इस्तीफा पहले ही स्वीकार कर लिया गया है, इसलिए हम सभी से संयम बरतने और इस कठिन परिस्थिति में जान-माल को और नुकसान न होने देने की अपील करते हैं। नेपाल में जारी हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच, उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस प्रशासन को इस हिमालयी राष्ट्र से लगे सभी सात सीमावर्ती जिलों में हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। यह कदम प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली द्वारा भ्रष्टाचार और विवादास्पद सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ युवा प्रदर्शनकारियों के नेतृत्व में कई दिनों तक चले हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद इस्तीफा देने के बाद उठाया गया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज में चौबीसों घंटे निगरानी, घ्घ्शत बढ़ाने और अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती के आदेश दिए हैं। नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए लखनऊ स्थित पुलिस मुख्यालय में एक विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। एक व्हाट्सएप नंबर सहित तीन हेल्पलाइन नंबर 24X7 चालू रहेंगे- 0522-2390257, 0522-2724010, और 9454401674 (व्हाट्सएप नंबर 9454401674 पर भी उपलब्ध)। एडीजी (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने कहा यूपी पुलिस राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने और नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बिहार को मोदी कैबिनेट की 7500 करोड़ की सौगात, वैष्णव बोले- विकास को मिली गति

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बिहार में 7,500 करोड़ की एक रेलवे और एक राजमार्ग परियोजना को मंजूरी दे दी है। वैष्णव ने कहा कि देश में बुनियादी ढाँचे के निर्माण की गति बेहतर हुई है। बुधवार को कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान वैष्णव ने कहा कि आज की कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो बड़ी बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। वैष्णव ने आगे कहा कि बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफ़ील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड मोकामा-मुंगेर सेक्शन के निर्माण को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन सेक्शन (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दी है, जिसकी कुल लागत 3,169 करोड़ रुपये है।

बिना नाम लिए मोदी-शाह पर खड़गे का वार, बोले-

ये दोनों नहीं चाहते संविधान सुरक्षित रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि दोनों ही भारतीय संविधान की रक्षा नहीं करना चाहते और न ही लोकतंत्र को बचाना चाहते हैं। आज दोपहर गुजरात के जूनागढ़ पहुँचे खड़गे ने एएनआई से बात करते हुए कहा कि विपक्ष का मुख्य उद्देश्य संविधान और लोकतंत्र को बचाना है। खड़गे ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव लड़ना आम बात है। हमारा मुख्य लक्ष्य संविधान को बचाना और लोकतंत्र की रक्षा करना है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे कहा कि जिस धरती पर महात्मा गांधी और वल्लभभाई पटेल जैसे लोगों ने जन्म लिया और देश को आज़ादी दिलाई – ये दोनों हमारे लिए अत्यंत सम्माननीय हैं। देश उनकी वजह से एकजुट है। हालाँकि, दो अन्य लोग नहीं चाहते कि संविधान सुरक्षित रहे। वे लोकतंत्र को भी नहीं बचाना चाहते। उपराष्ट्रपति चुनाव पर बोलते हुए खड़गे ने कहा, हमारे पास बहुमत नहीं था, हमें जितने वोट मिले, उतने ही मिले। इससे पहले दिन में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि क्रॉस वोटिंग की कथित संभावना की विपक्षी गठबंधन के प्रत्येक घटक द्वारा व्यवस्थित जांच की जानी चाहिए। तिवारी ने एएनआई को बताया, ष्अगर क्रॉस-वोटिंग हुई है, तो इंडिया अलायंस के प्रत्येक घटक दल द्वारा इसकी गंभीरता से जाँच की जानी चाहिए। क्रॉस-वोटिंग एक बेहद गंभीर मामला है। अगर आप जो कह रहे हैं वह सही है या जो सार्वजनिक रूप से सामने आ रहा है या जिसके बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं, उसमें ज़रा भी सच्चाई है, तो इसकी व्यवस्थित और गहन जाँच होनी चाहिए।ष्उनकी यह टिप्पणी केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा हाल ही में संपन्न उपराष्ट्रपति चुनाव में इंडिया ब्लॉक के सांसदों द्वारा क्रॉस-वोटिंग की संभावना को लेकर विपक्ष पर अंतरात्मा की आवाज़ से कटाक्ष करने के बाद आई है, जिसमें एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन विजयी हुए थे।

चेहरे से होगी एंट्री! सितंबर से 4 और एयरपोर्ट पर 'डिजी यात्रा', खत्म होंगी लंबी कतारें

नई दिल्ली, एजेंसी। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि इस महीने के अंत तक चार और हवाई अड्डों पर डिजी यात्रा सुविधा लागू हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार, इन चार हवाई अड्डों के नाम इस सप्ताह के अंत तक घोषित किए जाने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डिजी यात्रा को 22-23 सितंबर को विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार (एनईजी) में स्वर्ण पदक प्राप्त होगा। फरवरी में, भारत के अग्रणी हवाई यात्रा ऐप, डिजी यात्रा ने 1 करोड़ से अधिक डाउनलोड प्राप्त करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। घ्घ्इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने ऐप की बढ़ती लोकप्रियता और भारत में हवाई यात्रा पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव को उजागर किया। दिसंबर 2022 में स्थापित, डिजी यात्रा एक स्व-संप्रभु पहचान (एसएसआई)-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र है जो हवाई अड्डों पर संपर्क रहित और निर्बाध यात्री प्रसंस्करण के लिए चेहरे की बायोमेट्रिक तकनीक का उपयोग करता है, और भारत के 24 हवाई अड्डों पर गोपनीयता-सुरक्षात्मक और कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करता है। इसने अब तक 45 मिलियन से अधिक निर्बाध यात्राओं को सुगम बनाया है, जिससे असंख्य यात्रियों को एक सहज अनुभव प्राप्त हुआ है। लगभग 10 मिलियन उपयोगकर्ताओं और 30,000 ऐप डाउनलोड के प्रभावशाली दैनिक औसत के साथ, यह प्लेटफ़ॉर्म डिजिटल यात्रा समाधानों में मानक स्थापित कर रहा है। डिजी यात्रा की 2025 के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएँ हैं। इस प्लेटफ़ॉर्म का लक्ष्य सभी 22 आधिकारिक भारतीय भाषाओं का समर्थन करना, भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करना और यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक यात्री अपनी पसंदीदा भाषा में हवाई अड्डे की प्रक्रियाओं को आत्मविश्वास से नेविगेट कर सके। डिजी यात्रा का लक्ष्य एक अंतर्राष्ट्रीय पायलट परियोजना का संचालन करना भी है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक पासपोर्ट (ई-पासपोर्ट) वाले विदेशी यात्री इसके निर्बाध पारिस्थितिकी तंत्र का अनुभव कर सकें। डिजी यात्रा फाउंडेशन, डिजी यात्रा सेंट्रल इकोसिस्टम और अत्याधुनिक स्व-संप्रभु पहचान (एसएसआई)-आधारित विकेन्द्रीकृत इकोसिस्टम पर निर्मित ऐप्स का संचालन और प्रबंधन करता है, जो हवाई अड्डों पर संपर्क रहित और निर्बाध यात्री प्रसंस्करण के लिए फेशियल बायोमेट्रिक तकनीक का उपयोग करता है।

सस्ता आयात न कर घरेलू उत्पादकों का साथ दें कंपनियां: गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को इस बात पर चिंता जताई कि घरेलू उद्योग कीमतों में मामूली अंतर दिखते ही आयातित माल का रुख करने लगते हैं और भारतीय उत्पादकों का साथ नहीं देते। गोयल ने यहां इस्पात उद्योग पर आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि यदि घरेलू कंपनियां चाहती हैं कि अन्य उद्योग भी उनका अनुसरण करें, तो सबसे पहले इस्पात क्षेत्र को ही आत्मनिर्भरता और परस्पर सहयोग की भावना दिखानी होगी। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का आह्वान किया हुआ है लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय उद्योग थोड़ा सस्ता विकल्प मिलते ही आयात करने को तैयार हो जाता है।'' उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय कंपनियां उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात उत्पाद बनाती हैं लेकिन जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की कंपनियां अपने घरेलू उद्योगों से ही खरीदना पसंद करती हैं। भारत का इन दोनों देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता है और भारतीय उद्योग लगातार बढ़ते इस्पात आयात को लेकर चिंता जताता रहा है। गोयल ने कहा कि सरकार ने उद्योग की मांग पर इस्पात पर 12 प्रतिशत रक्षोपाय शुल्क लगाया था लेकिन उसी उद्योग ने घरेलू मेट कोक उत्पादकोंका साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा, "आपने कुछ डॉलर बचाने के लिए आयात का सहारा लिया और घरेलू मेट कोक उद्योग को लगभग खत्म कर दिया। नतीजा यह हुआ कि आप विदेशी कंपनियों की दया पर निर्भर हो गए।" मेट कोक का इस्तेमाल मुख्य रूप से लौह एवं इस्पात उद्योगों में ईंधन के रूप में किया जाता है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। आज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग ने इतिहास संचेतना के अंतर्गत, आनन्द मार्ग प्रचारक संघ की बौद्धिक शाखा, रेनेसां यूनिवर्सल के सहयोग से, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग में "श्रीश्री आनन्दमूर्तिजी का सामाजिक एवं आध्यात्मिक दर्शन तथा नव्यमानवतावाद" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य अतिथि प्रोफेसर हर्ष कुमार, अध्यक्ष प्रोफेसर राकेश सिंह और मुख्य वक्ता आचार्य दिव्यचेतनानंद अवधूत सहित प्रख्यात विद्वान एक साथ आए। अन्य वक्ताओं में डॉ. रमाकांत, प्रो. अनिल प्रताप गिरि, डॉ. अविनाश श्रीवास्तव और डॉ. शैलेन्द्र कुमार सिंह मुख्य

रूप से उपस्थित थे। संगोष्ठी का समन्वयन डॉ. अतुल नारायण सिंह ने किया। प्रतिष्ठित विद्वानों ने सामाजिक दर्शन, अध्यात्म और नवमानवतावाद पर श्री श्री आनंदमूर्तिजी के विचारों की समकालीन प्रासंगिकता पर गहन विचार–विमर्श किया और मानवीय मूल्यों, एकता और नैतिक जीवन पर संवाद को बढ़ावा दिया। आचार्य दिव्यचेतनानंद अवधूत ने श्रीश्री आनंदमूर्तिजी के इस सिद्धांत पर प्रकाश डाला कि ष्नैतिकता आधार है, साधना साधन है और दिव्य जीवन साध्य है।ष उन्होंने आगे कहा कि विविधता प्रकृति का नियम है। यही कारण है कि हम एक सत्ता विशेष की तुलना दूसरे से नहीं कर सकते। श्री श्री आनंदमूर्तिजी के अनुसार, दर्शन चार प्रकार के होते हैं; भावजड़ता केन्द्रित दर्शन, पदार्थ केन्द्रित दर्शन, आत्म केन्द्रित दर्शन और ईश्वर केन्द्रित दर्शन। भावजड़ता केंद्रित दर्शन में तर्क और बुद्धि का अभाव है। पदार्थ केंद्रित दर्शन मार्क्सवादी दर्शन है और आत्म केंद्रित दर्शन पूंजीवादी दर्शन से जुड़ा है। जबकि ईश्वर केंद्रित दर्शन सभी प्रकार के भौतिक और मानसिक बंधनों का अचूक समाधान है। आगे उन्होंने रहस्यवाद और योग की अवधारणा को और विस्तार से समझाया। रहस्यवाद, सीमित और अनंत के बीच संबंध खोजने का एक निरंतर प्रयास है। परम आनंद की खोज में, मनुष्य पहली बार अध्यात्म के संपर्क में आया। जब अध्यात्म अनंत के संपर्क में आता है, तो उसे योग कहा जाता है। यहाँ योग का अर्थ है एकीकरण, परम चेतना के साथ एकाकार होना। उन्होंने नव्यमानवतावाद की अवधारणा को विस्तार से प्रस्तुत किया। मानवता की अंतर्निहित भावना, जो सजीव और निर्जीव सभी में व्याप्त है, उसे नव्यमानवतावाद कहा जाता है। यह मानवतावाद को सार्वभौमिकतावाद तक ले जाता है। सभी जीवों में प्रेम का भाव रचा–बसा है। सभी प्रतिष्ठित वक्ताओं ने उक्त विषय पर अपने विचार को व्यवस्थित और विस्तार से प्रस्तुत किया।

नाले की नहीं हुई सफाई, घरों में भर जाता है पानी

प्रयागराज। मानसून से पहले शहर के नालों की सफाई का दावा किया गया, लेकिन लोगों की मुश्कलें कम नहीं हुईं। बारिश में नाला उफनने से कॉलोनियों में जलभराव से लोग परेशान हैं। ऐसा ही हाल राजापुर के बख्तियारी नाले का है। नाले में करीब चार से पांच फीट तक मलबा जमा है, जिससे पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। कुछ देर की बारिश में नाला उफनने लगता है। गंदा पानी घरों में पहुंच जाता है। शिकायत के बावजूद जिम्मेदारों की नींद नहीं खुल पा रही है। लोगों से बात की तो उन्होंने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

कहा कि कई साल से नाले की सफाई नहीं कराई गई। अधिकारियों के दफ्तर के चक्कर काटे, फरियाद की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। राजापुर के बख्तियारी नाले की एक दशक से अधिक समय से सफाई न होने से उसमें चार से पांच फीट तक मलबा जमा हो गया है। इससे पानी की निकासी अवरुद्ध हो गई है। बस्ती के बीच खुला नाला गंदगी और कीचड़ से बजबजा रहा है। नाला चोक होने से कुछ देर की बारिश में ही उफनने लगता है। लोगों के घरों में गंदा पानी भर जाता है। गलियों में जलभराव से आवागमन की भी मुश्किलें खड़ी हो जाती हैं। गंगा मेमोरियल स्कूल के बगल स्थित बख्तियारी नाले के ओवरफ्लो होने की समस्या से आजिज लोगों ने कई बार इसकी शिकायत नगर निगम और पीडीए के जिम्मेदारों से की। स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित महापौर से भी फरियाद की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया। लोगों ने बताया कि यह समस्या यहां कई वर्ष से है। तेज बारिश होते ही नाले का पानी घरों में पहुंच जाता है। शिकायत पर कुछ सफाईकर्मी आते हैं और खानापूर्ति कर चले जाते हैं। सफाई न होने से नाले में चार से पांच फीट मलबा जम गया है, जिसे साफ कराए बिना समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता है। लोगों ने बताया कि नाला आगे पुलिया के नीचे से होकर गुजरता है। पुलिया के नीचे पानी की निकासी के लिए तीन गेट बने हैं, लेकिन उनमें मात्र एक से ही पानी की निकासी हो पा रही है। दो गेट चोक पड़े हैं। धोबी घाट की व्यवस्था दुरूस्त कर दवा के छिड़काव की सख्त जरूरत है। नाले में फंस जाते हैं जानवरों के शव चोक नाले में जानवरों के शव आकर अक्सर फंस जाते हैं। कई दिनों तक दुर्गंध फैली रहती है। मजबूर होकर लोग निजी सफाईकर्मी बुला कर जानवर के शव को नाले से निकलवाते हैं। लोगों ने बताया कि नाला खुला होने के कारण यह समस्या आए दिन की है। परेशान लोगों ने खड़ी कर दी दीवार, पर नहीं मिली राहत नाले का पानी घरों में भर जाने की समस्या से परेशान लोगों ने नाले के बगल करीब तीन फीट ऊंची दीवार खड़ी कर दी। कई बाइक सवार गिर चुके हैं। इन्हीं रास्तों से होकर स्कूली बच्चों को भी आना–जाना पड़ रहा है। बेतरतीब लटके बिजली के तारों से खतरा गलियों में बेतरतीब लटके हुए बिजली के तार खतरा बने हुए हैं। कुछ स्थानों पर तो तार इतने नीचे हैं कि कभी भी हादसा हो सकता है। आए दिन मालवाहक वाहन तार में छू जाते हैं। इन जर्जर तारों को बदल कर व्यवस्थित न किया गया तो कभी भी हादसा हो सकता है। शिकायतें – नाला काफी समय से चोक है, सफाई के नाम पर खानापूरी की जाती है। – नाले की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है, शिकायत पर भी

तरफ से आने वाला पानी भी गलियों के रास्ते नाले में आकर गिर रहा है। इससे गलियों में नाले का पानी भर जा रहा है। बस्ती में जगह–जगह जलभराव, गंदगी यहां सफाई व्यवस्था के अभाव में जगह–जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं। गंदगी और बदबू के कारण लोग परेशान हैं। मच्छर लोगों की नींद उड़ा रहे हैं। जल निकासी के लिए गलियों में दोनों तरफ पक्की नालियां नहीं बनाई गई हैं। पानी गलियों में भरा रहता है। यहां सफाई लेकिन राहत नहीं मिली। नाला उफनते ही पानी दीवार के बगल से होता हुआ गलियों और घरों में पहुंच रहा है। धोबी घाट की तरफ से आने वाले पानी के कारण गली की सड़क धंस गई है। लोग लगातार नाले की मरम्मत और बाउंड्री बनाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। कीचड़ से पटी हैं गलियां बख्तियारी नाला के आसपास की गलियां कीचड़ से पटी हुई हैं, जिससे लोगों को आने–जाने में काफी परेशानी हो रही है। कीचड़ में फिसलकर सुनवाई नहीं हो रही। – गलियों में इंटरलॉकिंग नहीं हो सकी है, बारिश में कीचड़ हो जाता है। – बिजली के तार ढीले होकर लटक रहे हैं, हादसे का खतरा रहता है। – नियमित सफाई नहीं होती, दवा का छिड़काव व फॉगिंग भी नहीं हो रही। सुझाव – नाले में जमे मलबे को निकाला जाए, जिससे पानी अवरुद्ध न हो। – दीवार बनाई जाए, पुलिया के नीचे अवरोध को हटाया जाए। – गलियों में इंटरलॉकिंग करा कर पक्की नालियों का निर्माण हो। – जर्जर बिजली के तारों को व्यवस्थित कराया जाए। – नियमित सफाई की मॉनीटरिंग हो, फॉगिंग कराई जाए।

चोक नाले की समस्या से हम लोग काफी समय से परेशान हैं। कुछ देर की बारिश में गंदा पानी घर में भरने लगता है। इस समस्या का समाधान जरूरी है। –अश्वनी कुमार पन्द्रह वर्ष से नाले की सफाई नहीं हुई है। शिकायत पर सफाई कर्मचारी पॉलीथीन आदि निकाल कर खानापूर्ति कर चले जाते हैं। समस्या बनी रहती है। –आशीष सफाई न होने से नाले में चार–पांच फीट तक मलबा जमा हो गया है, जिससे पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। कुछ देर की बारिश में नाला ओवरफ्लो हो जाता है। –अनिल कुमार चार दिन पहले हुई बारिश के दौरान नाले का पानी घरों में आने लगा था। किसी तरह सामान बचाया गया। इस गंभीर समस्या का समाधान हो जाए तो राहत मिले। –संजय कुमार नाले की कई साल से सफाई नहीं हुई है। बारिश में गंदा पानी घरों में भर जाता है। लगातार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं कराया जा रहा है। –लाल चन्द्र नाले से उठती दुर्गंध के कारण बहुत परेशानी है। बार–बार शिकायत कर रहे हैं लेकिन सुनवाई नहीं की जा रही है। नाले की सफाई होना जरूरी है। –सुनील गलियों में इंटरलॉकिंग न होने से काफी दिक्कतें हो रही हैं। कीचड़ और गंदे पानी से होकर आना जाना पड़ रहा है। सफाई व्यवस्था भी काफी खराब है। –पुष्पराज बारिश के दौरान नाले का गंदा पानी हमारे घर में चला आया था, जिससे काफी सामान खराब हो गया। इस समस्या का समाधान बहुत जरूरी है। –सीमेन्तला नाला चोक होने की शिकायत हम लोग लगातार कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे। ऐसे में समाधान के आसार नहीं दिख रहे हैं। –करन कुमार नाले में अक्सर जानवरों के शव फंस जाते हैं, जिससे बदबू के कारण रहना मुश्किल हो जाता है। नाले की सफाई कराने के साथ ही दीवार बनाए जाने की जरूरत है। –सरिता रानी निचला इलाका होने के कारण धोबी घाट तक का पानी यहां आता है। नाला चोक है तो गलियों से पानी आ रहा है। नाले की मरम्मत और सफाई होना आवश्यक है। –उत्तम कुमार नाले की समस्या से हम लोग काफी समय से परेशान हैं। नगर निगम और पीडीए के अधिकारियों से कई बार कहा गया, लेकिन नाले की सफाई नहीं हो पाई है। –अक्षय कुमार नाले की समस्या काफी दिनों से है, शिकायत करते हैं तो सफाईकर्मी आते हैं और पॉलीथीन बटोर कर चले जाते हैं। समस्या का स्थायी निदान जरूरी है। –नीलू बिजली के तार ढीले होकर लटके हुए हैं जिससे डर बना रहता है। जो तार खराब हो गए हैं उन्हें बदल कर व्यवस्थित किया जाए। –मंजू नाले में जमे मलबे को निकाला जाए। बस्ती में सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर दवा का छिड़काव हो तो मच्छरों से राहत मिले। –शारदा प्रसाद

अभी बारिश पूर्व शहर में नालों की सफाई कराई गई थी। अगर बख्तियारी नाले में कोई समस्या है तो उसे दिखवाया जाएगा और समस्या का समाधान करा दिया जाएगा। –दिनेश चन्द्र सचान, मुख्य अभियंता, नगर निगम

पत्रकारों की सुरक्षा पर उठे सवाल, यूपी मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति ने डीजीपी को लिखा पत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति ने प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ा ऐलान किया है। समिति के प्रदेश महासचिव अरुण कुमार त्रिपाठी ने पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश को पत्र लिखकर स्पष्ट निर्देश जारी करने की मांग की है ताकि पत्रकारों को हर हाल में सुरक्षा दी जा सके। पत्र में उल्लेख किया गया है कि 2017 से लेकर अब तक विभिन्न तिथियों पर जारी किए गए पत्रों का पालन पुलिस विभाग द्वारा नहीं किया जा रहा है। यूपी पत्रकार समिति ने मुख्यालय से जारी निर्देशों (पत्र सं. डीजी–आठ–140 (25) 2017–2019/8985 दिनांक 27 अगस्त 2024 सहित अन्य पत्र) की प्रमाणित प्रतियां ईमेल पर उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। प्रदेश महासचिव अरुण कुमार त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा व्यवस्था में अनदेखी की जा रही है। उन्होंने अनुरोध किया है कि इस संबंध में स्पष्ट दिशा–निर्देश सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों और समस्त पुलिस आयुक्तों को जारी किए जाएं ताकि पत्रकार अपना कार्य निर्भीक होकर कर सकें। पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि पुलिस विभाग के अधिकारी इस निर्देश का अनुपालन नहीं करते हैं, तो इसके जिम्मेदारों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति के संरक्षक अशोक कुमार नवरत्न, उपाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, कार्यकारिणी सदस्य विजय यादव सहित कई अन्य पदाधिकारी भी इस मुद्दे पर अपनी चिंता व्यक्त कर चुके हैं। यह कदम प्रदेश के पत्रकारों के लिए एक बड़ी उम्मीद की किरण माना जा रहा है। समाज में जनहित की खबरें सुरक्षित तरीके से पहुंचाने वाले पत्रकार अब अपनी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त रह सकेंगे, यदि प्रशासन द्वारा उचित कदम उठाए जाते हैं।

स्मार्ट सिटी के मद से बने विद्यालय भवन का लोकार्पण

प्रयागराज। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने वार्ड 62 नई बस्ती नेता नगर, कीडगंज में स्मार्ट सिटी के मद से कायाकल्प परियोजना के अंतर्गत निर्मित उच्च प्राथमिक विद्यालय (स्मार्ट स्कूल) के नवीन भवन का लोकार्पण किया। नवीन भवन बच्चों की पढ़ाई को बेहतर और सुविधाजनक बनाने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। इसमें लाइब्रेरी, कंप्यूटर क्लासेस, साइंस क्लासेस और एक्टिविटी रूम जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यह विद्यालय न केवल पारंपरिक शिक्षा देगा बल्कि बच्चों की रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच और डिजिटल ज्ञान को भी मजबूत करेगा। लोकार्पण के दौरान भाजपा पार्षद दल की मुख्य सचेतक किरन जायसवाल के साथ कई पार्षद और नगर निगम के अधिशासी अभियंता अनिल मौर्य मौजूद रहे।

प्रयागराज, आगरा और शाहजहांपुर में उतरने लगा नदियों का पानी, बाढ़ से अब भी राहत नहीं

प्रयागराज। गंगा–यमुना का जलस्तर स्थिर होने से प्रयागराज में हजारों परिवारों को फौरी राहत मिली है। गंगा–यमुना का जलस्तर अगले एक–दो दिन में बढ़ने के आसार हैं, जिससे गंगा–यमुना का जलस्तर लाल निशान (84.73 मीटर) पार कर सकता है। गंगा–यमुना का जलस्तर स्थिर होने के बीच केंद्रीय जल आयोग ने दोनों के लाल निशान पार करने की चेतावनी जारी की है। टोंस का जलस्तर बढ़ने के चलते छतनाग के आगे गंगा का प्रवाह बाधित हो रहा है। ऐसे में बैराज से दो दिन में छोड़ा गया पौने नौ लाख क्यूसेक पानी पहुंचेगा तो यहां गंगा–यमुना का जलस्तर बढ़ाएगा। इसके बाद मथुरा और आगरा में यमुना का बढ़ा पानी भी प्रयागराज आएगा। इससे भी यहां जलस्तर बढ़ने का खतरा और बढ़ेगा।

आगरा में यमुना नदी का उफान उतार पर, खौफ बरकरार

गंगा–यमुना में बाढ़ का पानी अब उतार पर है, लेकिन अब भी खतरे के निशान से ऊपर है। इससे प्रभावित हिस्सों में दहशत बरकरार है। आगरा में यमुना का जलस्तर 501.3 फीट पर जाकर बंद हुआ, जो खतरे के निशान से दो फीट से भी ऊपर है। बाढ़ के चलते बल्केश्वर घाट, यमुना आरती बंद कर दी गई है। उधर गोकुल बैराज से डिस्चार्ज कम होने से दो दिन बाद राहत मिलने के आसार हैं। कासगंज में भी गंगा उतार पर है, लेकिन तटीय गांवों में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। मथुरा में यमुना का जलस्तर 167.67 मीटर से 29 सेंटीमीटर नीचे उतर गया है। हालांकि अब भी ये खतरे के निशान से 1.38 मीटर ऊपर चल रहा है। इससे प्रभावित गांवों और मोहल्लों में हालात जस के तस बने हुए हैं।

रामगंगा ने काटा रास्ता बांस के सहारे सड़क पार कर रहे ग्रामीण

बरेली और शाहजहांपुर के साथ ही आस–पास के इलाकों में रामगंगा नदी का जलस्तर घटने लगा है। मौजमपुरदृ जरियनपुर संपर्क मार्ग और मिर्जापुरदृगुलड़िया मार्ग बाढ़ के पानी से कट गए हैं। गुलड़िया मार्ग पर तो लोग बांस के सहारे निकलने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ का पानी उतरने के बावजूद उनकी परेशानियां फिलहाल कम होने का नाम नहीं ले रही हैं।

राहत के आसार नहीं

मिर्जापुर। गंगा नदी में लगातार बाढ़ ने तटवर्ती गांवों में जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। नदी का पानी निचले इलाकों में भरा हुआ है, जिससे लोग छतों पर खाना बनाने को मजबूर हैं। मंगलवार को जलस्तर में मामूली गिरावट देखने को मिली है, लेकिन फिलहाल राहत की उम्मीद नहीं बन पा रही है। पैलानी, कटैलानगला, भरतपुर, मोतीनगला, धिंयरपुरा, लोहारनगला और गुटेटी समेत दर्जनों गांवों में बाढ़ का पानी जमा है।

सुदामा का पात्र निभा रहे युवक से अभद्रता, महिलाओं से मारपीट

प्रयागराज। कर्नलगंज में गणेश महोत्सव कार्यक्रम में सुदामा का पात्र निभा रहे एक युवक से अभद्रता का विरोध करने पर महिलाओं से मारपीट की गई। घर पर ईंट–पत्थर चलाए गए और गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दी गई। महिला ने महाजन उर्फ शिवम गुप्ता व उसके भाई पप्पी के खिलाफ कर्नलगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। गल्ला बाजार पुराना कैंहट निवासी पूनम देवी की तहरीर के अनुसार, मोहल्ले में चार सितंबर की रात गणेश महोत्सव में सुदामा के झांकी का कार्यक्रम था। आरोप है कि उसी समय मोहल्ले के शिवम गुप्ता व पप्पी नशे में धुत होकर सुदामा का पात्र निभा रहे एक युवक व कार्यक्रम में भाग लेने वाले अन्य से अभद्रता करने लगे। इस पर पूनम व अन्य महिलाओं ने विरोध किया तो महिलाओं से साथ मारपीट व गाली–गलौज की गई। पूनम के घर पर पत्थरबाजी की गई। उनके पति की बाइक क्षतिग्रस्त कर दी गई। आरोपियों ने गोली मारने तक की धमकी दी है। पूनम ने डायल 112 पर फोन कर सूचना दी। पुलिस टीम ने आने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की। कर्नलगंज पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जुरासिक पार्क के बाद नेतानगर में राष्ट्रीय पक्षी मोर का आकर्षण

प्रयागराज। नेतानगर बारवारी ने पिछले वर्ष आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव के लिए जुरासिक पार्क थीम पर पंडाल का निर्माण कराया था, जिसे महोत्सव के दौरान बच्चों के बीच खूब पसंद किया गया। तभी बारवारी ने अपने 69वें वर्ष में आयोजित किए जाने वाले महोत्सव के लिए राष्ट्रीय पक्षी मोर की थीम तय कर ली थी। इसके लिए 45 फीट ऊंचे पंडाल पर उतनी ही ऊंचाई का मोर दिखाई देगा। जिसके पैरों के बीच से जनमानस पंडाल के भीतर प्रवेश करना होगा। इस वर्ष दुर्गा पूजा पार्क, नेतानगर में पंडाल का निर्माण कार्य दो अगस्त से शुरू कराया गया है। कोलकाता से आए दस कारीगर 24 सितंबर तक बारवारी को पंडाल बनाकर सौंप देंगे। बारवारी के सचिव विक्की यादव ने बताया कि पंडाल के भीतर पूरे देश में मोर की जितनी भी प्रजाति हैं, उसे भी प्रदर्शित किया जाएगा। अभी पंडाल का ढांचा तैयार कराया जा रहा है। कोलकाता से चटाई व नारियल का छिलका कारीगर अपने साथ लेकर आएं हैं। जिससे 45 फीट ऊंचे मोर के साथ ही अन्य मोर बन रहा है। 24 सितंबर को मां दुर्गा की प्रतिमा पंडाल में आ जाएगी। मां को कोलकाता से मंगवाए गए आभूषणों और अस्त्र–शस्त्र के साथ विराजित किया जाएगा। पंडाल में नवरात्र की षष्ठी तिथि, 27 सितंबर को विधि विधान से मां का पूजन करके महोत्सव का शुभारंभ होगा।

जीएसटी 2.0 : 60 हजार से साढ़े तीन लाख तक सस्ती होंगी कारें

प्रयागराज। जीएसटी 2.0 की नई दरें लागू होने के बाद कार की कीमतों में भारी कमी होने वाली है। शहर के ऑटोमोबाइल बाजार में इस बदलाव को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। व्यापारी और ग्राहक 22 सितंबर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जब नए दाम लागू होंगे। हालांकि, इसके कारण इन दिनों गाड़ियों के शोरूम में सन्नाटा की स्थिति बनी हुई है। व्यापारियों को उम्मीद है कि इस त्योहारी सीजन में ऑटोमोबाइल सेक्टर में तेजी आएगी। फिलहाल कुछ कंपनियों ने नई दरें लागू होने से पहले ही ऑफर देना शुरू कर दिया है। टोयोटा शोरूम के जनरल मैनेजर शैलेंद्र कुमार ने बताया कि इनोवा पर 65 हजार से 2.5 लाख रुपये तक की कमी आएगी। इनोवा के चारों मॉडल फिलहाल 20 से 26 लाख रुपये तक के शोरूम कीमत पर उपलब्ध हैं। फॉर्च्यूनर, जिसकी शुरुआती कीमत 34.50 लाख रुपये है, उस पर 2.5 लाख से 3.5 लाख रुपये तक की कमी होने की संभावना है। किया मोटर्स और रेनॉल्ट ग्रुप के जीएम पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि रेनॉल्ट ट्राइबर पर 53 हजार से 80 हजार रुपये तक की कमी होगी। वहीं किया कारों पर एक लाख से 1.5 लाख रुपये तक की कमी आएगी। छोटी गाड़ियों पर भी 40 से 54 हजार रुपये तक की राहत मिलेगी। पंकज श्रीवास्तव के अनुसार कीमत घटने से ग्राहकों को सिर्फ कार की कीमत में ही नहीं, बल्कि आरटीओ रजिस्ट्रेशन और बीमा प्रीमियम में भी बचत होगी। खासकर 10 लाख से कम कीमत वाली गाड़ियों पर यह फायदा और अधिक होगा। यूनाइटेड महिंद्रा शोरूम के मैनेजर अजय मालवीय ने बताया कि स्कॉर्पियो पर एक लाख से 1.25 लाख रुपये तक की कमी होगी। बोलेरो पर भी 80 हजार रुपये से अधिक का फायदा ग्राहकों को होगा। एक्सयूवी रेंज की गाड़ियों की कीमतों पर भी कमी होगी।

39 स्कूल के कार्मिकों की प्रतिकूल प्रविष्टि समाप्त

प्रयागराज। परिषदीय विद्यालय में न्यून छात्र उपस्थिति के कारण मार्च महीने में 64 विद्यालयों के सभी कार्मिकों को वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए प्रतिकूल प्रविष्टि दी गयी थी। इंटरैक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस) रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल, मई एवं जुलाई में छात्र उपस्थिति में वृद्धि और सुधार के मद्देनजर बीएसए देवब्रत सिंह ने 39 विद्यालयों के सभी कार्मिकों को वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए दी गयी प्रतिकूल प्रविष्टि समाप्त कर दी गई है। जिन 39 स्कूलों की प्रतिकूल प्रविष्टि समाज की गई है उनमें पिछले तीन महीनों में छात्र उपस्थिति 60 प्रतिशत या अधिक अधिक रही है।

प्रयागराज एक्सप्रेस में युवती का बैग छीन ले गए

प्रयागराज। एनसीआर की सबसे वीआईपी ट्रेन प्रयागराज एक्सप्रेस में एक महिला यात्री का बैग छीनकर युवक भाग निकला। देवघाट, झलवा निवासी स्मृति यादव ने प्रयागराज जीआरपी थाने में लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस को बताया कि उसका स्लीपर बोगी में आरक्षित टिकट था। सात सितंबर को जैसे ही ट्रेन नई दिल्ली से चली कि अचानक से एक युवक पहुंचा और उसका बैग छीनकर भाग निकला। बैग में मोबाइल समेत अन्य कीमती सामान था। प्रयागराज पहुंचने के बाद स्मृति ने प्रयागराज जीआरपी से शिकायत की।पुलिस का कहना है कि घटना स्थल के आधार पर विवेचना नई दिल्ली ट्रांसफर कर दिया गया है। हैरानी की बात ये है कि सबसे वीआईपी ट्रेन में जीआरपी की स्कॉट चलती है। बावजूद इसके इस ट्रेन में छिनैती की घटना हुई है।

हिंदी लेखिका संघ जबलपुर ईकाई की काव्य गोष्ठी

जबलपुर। हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में कलाविथिका सभागार में संपन्न हुआ। अध्यक्ष डा कामना कौस्तुभ श्रीवास्तव के उद्बबोधन और अर्चना मलैया के दिशा दर्शनके साथ – साथ सरस्वती वंदना कर पूर्वजों को श्रद्धा सुमन शब्दाजली अर्पित

करते सभी मातृशक्तियाँ लेखिकाओं ने हिन्दी के प्रति जागरुक हो अपने–अपने विचार एंव भावों को रखते काव्य पाठ किया। शोभा सिंह, सिद्धेश्वरी सराफ शीलू आरती शर्मा, प्रतिमा अखिलेश, रेखा चौधरी, मनीषा गौतम, बिटिया नौमी की उपस्थिति प्रसंशनीय रही। दितीय चरण में आगामी कार्यक्रमों की चर्चा की गई आभार प्रदर्शन निर्मला तिवारी ने किया।

डा. बालकृष्ण पांडेय भूटान के थिम्फू में होंगे विशेष सम्मानित

प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संरक्षक व समाजसेवी डॉ बालकृष्ण पांडेय एडवोकेट उच्च न्यायालय इलाहाबाद को वर्ष 2025 के भूटान भारत साहित्य महोत्सव में सम्मान प्रदान किया जाएगा।, जहां भूटान के थिम्फू

में 12 से 17 सितंबर तक छरू दिवसीय भव्य साहित्यिक सांस्कृतिक कार्यक्रमआयोजित किया जा रहा है द्यसहयोगी संस्था क्रांतिधरा साहित्य अकादमी की अध्यक्ष पूनम पंडित ने बताया कि थिम्फू भूटान के समारोह में अपनी साहित्यिक एवं धार्मिक उपलब्धियों तथा समाज सेवा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए डॉ बालाकृष्ण को विशेष सम्मान से सम्मानित किया जाएगा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वह शिरकत करेंगे द्य उपरोक्त जानकारी भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ रवीन्द्र कुशवाहा ने दी है। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के संस्थापक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय व अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र तथा राष्ट्रीय सचिव डॉ योगेंद्र मिश्र विश्वबंधु व राष्ट्रीय महासचिव कार्यालय पवनेश पवन ने इस गौरवपूर्ण सम्मान के लिए डॉ बालकृष्ण पांडेय को अग्रिम बधाई दी है तथा स्थानीय पत्रकारों में इस बात को लेकर हर्ष व्याप्त है।

भाकियू नेता भूरा की टीम ने 3000 बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाई खाद्य सामग्री

लगातार दूसरे दिन घर-घर पहुंचाई मदद

मथुरा। भाकियू नेता भूरा पहलवान ने बुधवार को अपनी सिहोरा की टीम के साथ लगातार दूसरे दिन लक्ष्मी नगर स्थित तैयापुर, ईसापुर, डेंगरा, रसखान नगरी, नगला चिंरजीव,जमुना पुल एवं श्री कुंज में करीब 3000 बाढ़ पीड़ितों तक पानी में घुसकर घर–घर खाद्य सामग्री बांटी।

भाकियू नेता भूरा पहलवान ने बताया कि उन्होंने ग्राम पंचायत सिहोरा और आस पास के क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों की मदद करने की अपील की थी जिसमें ग्राम पंचायत सिहोरा के लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया तथा सभी की सहयोग से पूड़ी,सब्जी, पानी, दूध, बिस्कुट, डिटर्जेन्ट सर्फ आदि खाद्य सामग्री लगातार

दूसरे दिन बाढ़ ग्रस्त तैयापुर, ईसापुर, डेंगरा, रसखान नगरी,नगला चिरंजीव,जमुना पुल,श्री कुंज इलाके में नाव और ट्रेक्टर ट्राली से एवं पैदल चलकर पीड़ितों तक घर घर पहुंचाई। आगे भी अनवरत रूप से बाढ़ पीड़ितों की मदद जारी रहेगी। भूरा पहलवान ने मीडिया के माध्यम से सामाजिक संस्थान और क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी को जिला प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बाढ़ पीड़ितों की मदद करनी चाहिए। तथा उत्तर प्रदेश सरकार से भी बाढ़ ग्रस्त किसानों को उचित मुआवजा राशि देने की अपील की। इस दौरान भूरा पहलवान, जे एस जाट,वीरपाल दादा, भीमा चौधरी,मुनिया, गिरीश पंडित, दयाल सिंह, देव चौधरी, अशोक,रामवीर यादव,मुकेश,हरीश, भगवान स्वरूप,लेखराज,पोहप सिंह, जीतू जोशी एवं ग्राम पंचायत सिहोरा के सभी लोग मदद करने में जुटे रहे।

हाजी अब्दुल कय्यूम मेमोरियल पीजी कॉलेज मऊआइमा प्रयागराज

(संबद्ध प्रो0 राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज)

आवश्यकता है - प्राचार्य एवं प्रवक्ताओं की

प्राचार्य- एक पद (15 वर्षों का अनुभव)

परास्नातक विज्ञान संकाय (एम.एस.सी.)- गणित, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान (प्रत्येक में दो पद)

बी.एस.सी.- गणित, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान- प्रत्येक में एक पद।

परास्नातक कला संकाय (एम. ए.)- अंग्रेजी साहित्य, उर्दू, समाजशास्त्र, गृह विज्ञान- प्रत्येक में दो पद।

बी.ए.- हिंदी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीतिक विज्ञान, प्राचीन इतिहास, संस्कृत, शिक्षा शास्त्र, गृह विज्ञान, उर्दू-प्रत्येक में एक पद।

अर्हता संबंधित विषय में यू.जी.सी./नेट/पी.एच.डी./ सी.एस.आई.आर. एवं प्राचार्य हेतु 15 वर्षों के अनुभव के साथ अर्ह अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अनुभव प्रमाण पत्रों तथा एक फोटो के साथ दिनांक 10.10.2025 तक आवेदन करें।

आवेदन भेजने का पता अजफर शोएब अंसारी प्रबंधक

आजमपुर मऊआइमा टाउन एरिया मऊआइमा प्रयागराज 212507

मोबाइल नंबर 9935285895, 7007074454

प्रबंधक हाजी अब्दुल कय्यूम मेमोरियल पीजी कॉलेज प्रयागराज

सीएमपी डिग्री कॉलेज के हिंदी विभाग में वाद विवाद कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। हिंदी पखवाड़ा के तहत सीएमपी डिग्री कॉलेज के हिंदी विभाग के द्वारा आज (10/09/2025) वाद –विवाद कराया गया जिसका विषय श्हीनताबोध या राष्ट्र गौरव रू संदर्भ हिंदी भाषाश था। इस वाद –विवाद कार्यक्रम में कॉलेज के अलावा अन्य महाविद्यालय के बच्चों ने प्रतिभाग किया। इस विषय पर बच्चों ने पक्ष और विपक्ष दोनों रूपों में जबरदस्त एवं रोचक पूर्ण तथ्य रखें।

हिंदी भाषा को लेकर आयुषमान सिंह ने हिंदी के राष्ट्र गौरव पर बात करते हुए कहा कि हिंदी भाषा को तीन स्तर पर काम करने की जरूरत है पहला पहचान के स्तर पर दुसरा लिंक लैंग्वेज के रूप में और तीसरा परीक्षा के स्तर पर। यदि इन तीनों स्तरों पर जोर दिया जाय तो हिंदी भाषा का प्रभाव और बढ़ेगा। वहीं प्रतिभा सिंह ने कहा कि बच्चा जब पहली बार बोलता है तो मां बोलता है मां शब्द ही हिन्दी होती है, सेना भारत माता कहता है तो वो भी हिंदी ही होता है, कवि जिस भाषा में रोता है तो उसका रोना भी हिंदी होता है, हिंदी संस्कार और स्वतंत्रता की आवाज है, हिंदी भारत की आत्मा है, हिंदी बोलते है तो सिर्फ हिंदी ही नहीं बोलते पूरा भारत बोलते हैं आदि बातों के जरिए सभी बच्चों ने महत्वपूर्ण बातें कही जिससे सभागार का माहौल जिज्ञासा पूर्ण और उत्सुकतापूर्ण बन गया था।

निर्णायक की भूमिका में संस्कृत विभाग के सत्य प्रकाश श्रीवास्तव और मध्यकालीन इतिहास के अखिलेश यादव सर थे उन्होंने अपने अथक प्रयास और पैनी निगाह से बच्चों के रिजल्ट बनाया और उसके साथ–साथ घोषित भी किया। सत्य प्रकाश सर बच्चों को हिंदी भाषा के बहाने बहुत कुछ सीखने की जरूरत है उस पर आगाह करते हुए विषय वस्तु की पहचान और स्पष्टता, भाषा और प्रस्तुतिकरण पर बल दिया वहीं अखिलेश यादव सर ने 1857 के जरिए भारतेन्दु युग में भारतेंदु हरिश्चंद्र के द्वारा हिंदी भाषा पर की गई बात कैसे हिंदी आंदोलन के रूप में परिणति हो गई। वाद –विवाद के विषय पर बात करते हुए विषय की गम्भीरता को समझाते हुए पूरे कार्यक्रम का परिणाम घोषित किया जिसमें प्रथम स्थान हर्षिता श्रीवास्तव, द्वितीय स्थान आदर्श यादव और तीसरे स्थान पर दो बच्चों को नामित किया गया जिसमें मोहित राज मिश्रा और सुशांत वर्मा को। इसके अलावा दो बच्चों को संभावना पुरस्कार की घोषणा की गई जिनका नाम जनमेजय मालवीय और प्रतिभा सिंह के नाम को घोषित किया गया। कार्यक्रम की औपचारिकता को ध्यान में रखते हुए हिंदी विभाग के प्रोफेसर दीनानाथ जी ने राजभाषा हिंदी के विकास के बहाने संविधान के अनुच्छेद 351 पर चर्चा करते हुए कहा कि आज हिंदी भाषा को प्रसारित प्रचारित और पढ़ें जाने की सख्त जरूरत है उसी से भाषा को बल मिलेगा। अपनी बात को रखते हुए अंत में कार्यक्रम की समाप्ति का घोषणा किया। पूरे कार्यक्रम शुरू से अंत तक अपने सुंदर संचालन से डॉ रामानुज बांधे रखा जिससे बच्चों की उपस्थिति अंत तक बनी रही। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर सरोज सिंह, प्रोफेसर आभा त्रिपाठी, डॉ भारती कोरी, डॉ रंजीत सिंह, डॉ पूजा गौड़, डॉ राजेन्द्र यादव, डॉ रमा शंकर सिंह धैयपूर्वक अंत साथ दिया। विभाग शिक्षकों के साथ बड़े पैमाने पर बच्चों की उपस्थिति के कारण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इसके साथ आगे के कार्यक्रमों की रूपरेखा का विवरण देकर समाप्त कर दिया गया।

मानव जीवन के लिए मार्गदर्शक है शाह तत्वं ग्रंथः डा. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ, पिठापुरम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि पूर्व पीठाधिपति हुसैन शाह द्वारा लिखित ग्रंथ ष्शाह तत्वंष मानव जीवन के लिए एक मार्गदर्शक ग्रंथ है। डॉ. उमर अली शाह मंगलवार को पिठापुरम–काकीनाडा मार्ग स्थित नए आश्रम परिसर में सातवें पीठाधिपति हुसैन शाह की 120वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक सभा में भक्तों को संबोधित कर रहे थे।

डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि प्राणशक्ति, जो मानव भौतिक शरीर के अस्तित्व का आधार है, मानव शरीर में सात केंद्रों से प्रवेश करती है, और इन्हीं केंद्रों पर व्यक्ति को अपनी आध्यात्मिक यात्रा के दौरान आध्यात्मिक मार्ग का अन्वेषण करना होता है। इड़ा, पिंगली और सुषुम्ना नामक सात नाड़ियाँ इन सात केंद्रों में फैली हुई हैं और इन रहस्यों को सप्तम पीठाधिपति ने सभी के आध्यात्मिक विकास के लिए शाह तत्वमु नामक पुस्तक में सहज रूप से प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक अब तक सात संस्करणों में प्रकाशित हो चुकी है और उमर अली शाह पुस्तक परिषद के माध्यम से आज भी उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि इसका अंग्रेजी में अनुवाद शाह दर्शन के रूप में किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी को इस पुस्तक को पढ़ना चाहिए, इन बातों को समझना चाहिए और इसका अभ्यास करना चाहिए।उन्होंने कहा कि दार्शनिक ज्ञान ध्यान, ज्ञान और मंत्र साधना की तीन साधनाओं के अभ्यास से जाना जाता है। पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत, पीठ के प्रत्येक सदस्य को तीन पौधे लगाने चाहिए और उनकी रक्षा करनी चाहिए।इसके बाद, सभा में पीठाधिपति द्वारा ष्मातृ वंदनम्ष पुस्तक का लोकार्पण किया गया। इसके बाद, सभा में उमर अली शाह ग्रामीण विकास ट्रस्ट के माध्यम से छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई और पक्षियों के भोजन के लिए तैयार अनाज के गट्ठर वितरित किए गए। सभा के मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, महावीर इंटरनेशनल के प्रतिनिधि कमल बैद और एमएलसी पद्मश्री कर्री ने सदस्यों से आह्वान किया कि मनुष्य को अपने मतभेदों को त्यागकर साथी मनुष्यों के प्रति समान दृष्टिकोण रखना चाहिए और कहा कि पीठ श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ एक आध्यात्मिक पीठ है जो विश्व कल्याण के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ संचालित है। उन्होंने पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह द्वारा की जा रही सेवाओं की प्रशंसा की, जिनके दो नेत्र हैंरू आध्यात्मिक दर्शन और सामाजिक सेवा।

कविशेखर डॉ. उमर अलीशा साहित्य समिति द्वारा हर वर्ष प्रदान किया जाने वाला हुसैन शाह कवि स्मृति साहित्य पुरस्कार, आंध्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष आचार्य गोरुगोन्धु अक्कुभटलु शर्मा और नागुलापल्ली के सेवानिवृत्त शिक्षक चिंतापल्ली अप्पाराव द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। पुरस्कार में प्रशस्तिपत्र के साथ, उन्हें 25,160 रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। पीठाधिपति ने समिति के सदस्यों को बधाई दी, जो उमर अली शाह साहित्य समिति के माध्यम से 35 वर्षों से भीमवरम में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

बाद में, पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं अक्कुभटलु शर्मा और अप्पाराव ने कहा कि यह पुरस्कार प्राप्त करना उनके पूर्वजन्म का सौभाग्य है। उन्होंने बताया कि पीठ के प्रमुख डॉ. उमर अली शाह एक प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आध्यात्मिक और साहित्यिक सेवा में कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि मानवता के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्यरत पीठ श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ है।

संगीत कार्यक्रम में उमा मुकुंद समूह द्वारा गाए गए कीर्तनों ने श्रोताओं का मनोरंजन किया। इस अवसर पर जेडी न्यूज़ के संपादक रामदास वाजपेयी, पतंजलि श्रीनिवास, बानाला दुर्गा प्रसाद सिद्धांती, शिवरामकृष्ण स्वामीजी और अन्य लोगों ने पीठ का परिदर्शन किया। इस कार्यक्रम में पीठ के संयोजक पेरुरी सूरीबाबू, पीठ के मीडिया संयोजक अकुला रवि तेजा, पीठ की केंद्रीय समिति के सदस्य डॉ. पिंगली आनंदकुमार, एनटीवी प्रसाद वर्मा, एवीवी सत्यनारायण, सूर्य लता, साहित्य समिति के सचिव दयाना सुरेश चंद्रजी, उपाध्यक्ष त्सावतापल्ली मुरली कृष्ण, कोषाध्यक्ष वदादी वेंकटेश्वर शर्मा, गीतावधानी येरम शेट्टी उमामहे स्वर राव, मीनाक्षी और अन्य ने भाग लिया।

मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की ज़िला स्तरीय प्रतियोगिताएँ कला वीथिका में संपन्न

जबलपुर। मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, जबलपुर इकाई के तत्वावधान में हिंदी पखवाड़े के अवसर पर डॉ. हीरालाल कला वीथिका में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य काव्यपाठ, भाषण, लोकगीत, शब्दांकन से चित्रांकन, चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।इस प्रतियोगिता में जबलपुर के प्रमुख विद्यालयों ने सक्रिय भागीदारी की, जिनमें अशोक हॉल शाला, विजयनगर सरस्वती शिक्षा मंदिर, मदनमहल शहीद विक्रम सिंग हायर सेकेंडरी स्कूल, जबलपुर ,क्राइस्ट चर्च, जबलपुर शामिल रहे। विजेताओं की सूची (क्रमानुसार)

काव्यपाठ वरिष्ठ वर्ग प्रथम स्थान – अंजली गुप्ता,

द्वितीय स्थान – जाह्नवी पोहरकर,

काव्य पाठ कनिष्ठ वर्ग प्रथम शिवांश यादव,दितीय

स्थान – नेत्रा कोश्टा ,तृतीय नोमित पाठक,भाषण

प्रथम स्थान – आयशा जैन ,

द्वितीय स्थान – विदान विश्वकर्मा ,

तृतीय स्थान – हिमांशु साहू ,और अवनी सैनी,लोकगीत

प्रथम स्थान – अनंत हिरसकर

शब्दांकन से चित्रांकन

प्रथम स्थान – यशी जैन,

द्वितीय स्थान – नित्या गुप्ता ,

तृतीय स्थान – वासु पासी

चित्रकला

प्रथम स्थान – अंश रैक वार,

द्वितीय स्थान – शांभवी। साहू

तृतीय। दिशा तिवारी

निबंध

प्रथम स्थान – हिमांशु गुप्ता

द्वितीय स्थान – आयुष विश्वकर्मा

प्रोत्साहन पुरस्कार प्रतिष्ठा सेठ, अनिका रैकवार

विशेष उल्लेख

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुश्री आशा रिछरिया (अध्यक्ष, प्रचार समिति) ने की। निर्णायक मण्डल में श्री विजय नेमा अनुज, डॉ. मुकुल तिवारी, श्रीमती मनीषा गौतम एवं श्रीमती रुद्राणी नायर उपस्थित रहीं। लोकगीत प्रतियोगिता में विशेष मार्गदर्शन श्रीमती साधना उपाध्याय (अध्यक्षा, संगीत सभा) ने दिया। कार्यक्रम का संचालन श्री राजेश पाठक, संरक्षक श्री राजेश पाठक के मार्गदर्शन में संपूर्ण आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। अंत में धन्यवाद ज्ञापन सुश्री आशा रिछरिया द्वारा प्रस्तुत किया गया।

छा गयी गुलमेहंदी

(कुण्डलिया)

लाल गुलाबी बैंगनी, श्वेत दुरंगे फूल।
मन को भाते हैं बहुत, मौसम के अनुकूल।
मौसम के अनुकूल,छा गयी गुलमेहंदी।
उपवन हुये निहाल,आ गयी है खुशहाली।
सुन लो कहें प्रदीप, बात यह बहुत सुहाती।
हरे शाख के संग,फूल हो लाल गुलाबी।।

तना गुलाबी अरु हरा, विविध रंग के फूल।
औषधीय गुण से भरा, सबने किया क़बूल।
सबने किया क़बूल, गुलहजारा का पौधा।
शाखों में भर फूल, हमेशा हँसता रहता।
सुन लो कहें प्रदीप, कहानी यही बताती।
गुण की है यह खान, हरे पर तना गुलाबी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

देवांश और हैदर ने झटके स्वर्ण और कांस्य पदक

मुजफ्फरनगर। जयपुर में आयोजित हुई 48वी यूपी स्टेट चौंपियनशिप में एचीवर शूटिंग अकादमी के शूटरों ने दर्ज़नो मैडल जीतकर जिले का मान बढ़ाया। जिसमे रेंज अध्यक्ष देवांश दुहान ने 25मीटर सेंटर फायर पिस्टल में दो स्वर्ण पदक और कोच मो० हैदर(नेशनल मेडलिस्ट) ने 25मीटर पिस्टल में दो कांस्य पदक, मो० उमर ने एक स्वर्ण एक कांस्य, 50मीटर पिस्टल में अ स द अंसारी ने एक स्वर्ण और एक रजत , स मी र ख ा न स्व र्ण

पदक, यामिनी तोमर ने स्वर्ण पदक , गौरव बाथला रजत पदक , 10 मीटर पिस्टल में अंश चौहान ने स्वर्ण पदक और निखिल मालिक ने रजत पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया। मौके पर सपा विधायक पंकज मालिक , सहारनपुर मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर , सपा के राष्ट्रीय महासचिव राकेश शर्मा , रालोद युवा नेता राजहंस दुहान , जयेन्द्र सिंह दुहान ,अक्षय प्रधान, राजेंद्र तोमर , बिल्डर राजदेव दुहान, ने निशानेबाज़ों को सम्मानित किया। कोच विपुल लटियांन और युवराज सिंह चौहान ने बताया कि गीत,अनुष्का, सलोनी राठी,आदित्य ,कार्तिक, संजू, विनीत, अक़दस, यश , अखंड, विनायक,निशिल, अभिनव ,अर्जुन,सागर,दक्ष ,अभी ,अंश , दिव्यांशी, अभिजीत राठी, गुरनूर, अभिमन्यु बालियान आदि निशानेबाज़ों ने ऑल इंडिया के लिए चयन प्राप्त किया।

डायोसेसन एजुकेशन बोर्ड का चुनाव हुआ संपन्न, सर्वसम्मति से राकेश छत्री को दूसरी बार चुना गया सचिव

प्रयागराज। मंगलवार को डायोसीस ऑफ लखनऊ की डायोसेसन एजुकेशन बोर्ड का गठन किया गया इस मौके पर सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से डीईबी सचिव राकेश छत्री को पुनः सचिव चुना । बैठक में मॉरिश क्लाईमेनेट ने राकेश छत्री का प्रस्तावित किया जिसका समर्थन डॉ विनीता इस्यूबियस ने किया। इस मौके पर डायोसिस ऑफ़ लखनऊ के मीडिया प्रभारी ने बताया कि प्रदेश के दो दर्जन से अधिक स्कूल व कॉलेज डीईबी के अंतर्गत सचलित किए जाते हैं उन्होंने बताया कि राकेश छत्री के सचिव बनाये जाने के बाद बहुत सारे स्कूल व कॉलेज फिर से शुरू किए गए ताकि जनसामान्य समेत हर एक वर्ग को शिक्षा मिला सके। सुनील वर्मा ने बताया कि यह एक ऐसा मौक़ा है जहां सभी धर्म संप्रदाय और जाति के लोग मिलकर शिक्षा और जागरूकता के प्रति सक्रिय हैं। उन्होंने बताया कि डायोसिस ऑफ लखनऊ में हो रहे बदलाव का कारण बिशप मॉरिस एडगर दान हैं। बैठक में डायसिस ऑफ़ लखनऊ के सचिव पादरी प्रवीण मैसी डायोसिस ऑफ़ लखनऊ के उपाध्यक्ष रोशन लाल, डॉ. विनीता इसूबियस, संजीत लाल संजय मल, रेवरेंट फ्रैक बक्श, अमर मोजेज, मौरिस क्लेमेंट, अरुण पॉल स्टेनली मल आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2025 में जारी हुए जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री आराध्या सिंह राजपूत के पिता का नाम **बृजेन्द्र कुमार राजपूत** अंकित हो गया है, जो कि अशुद्ध है, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरा (पिता का नाम) **बृजेन्द्र कुमार राजपूत** के स्थान पर **बृजेन्द्र कुमार** कर नियमानुसार शुद्ध किया जाना न्याय हित में है।

बृजेन्द्र कुमार
पुत्र रामेश्वर प्रसाद
पता- यू.पी. बोर्ड ऑफिस नजदीक सब्जी मंडी सिविल लाइन्स, प्रयागराज (उ.प्र.)

सम्पादकीय........

दुःखी युवा पीढ़ी

दशकों मान्यता रही है कि समाज का मिडल ऐज ग्रुप दुरूखी व तनाव में और युवा व बुजुर्ग प्रसन्न रहते हैं। लेकिन हालिया प्रकाशित एक अध्ययन ने बताया कि दुरूख की शुरुआत अब युवा अवस्था में हो रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, अफ्रीका समेत मध्यपूर्व के 44 देशों में यह ट्रेंड देखा गया है। जिसमें भविष्य की अनिश्चितता व कार्य परिस्थितियों का दबाव तो है मगर बड़ा कारक सोशल मीडिया बताया जा रहा है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया से जुड़े रहने और यथार्थ से दूर रहने के कारण युवा जीवन की वास्तविक स्थितियों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। आभासी मीडिया उन्हें बड़े–बड़े सपने तो दिखाता है, लेकिन जीवन की कठोर सच्चाई से अवगत नहीं कराता है। यही वजह है कि जहां पहले मिड ऐज ग्रुप यानी 40 से 50 आयु वर्ग दुखी माना जाता था, उसके स्थान पर दुरूख की शुरुआत अब युवा उम्र से ही होने लगी है। हालिया, ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट के आंकड़ों में, अफ्रीका, यूरोप, लैटिन अमेरिका, एशिया, अमेरिका व मिडल ईस्ट के 44 देशों का अध्ययन बताता है कि बुजुर्गों की तुलना में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य ज्यादा खराब है। वेब आधारित इस सर्वे में पर्याप्त डेटा जुटाया गया था। जो बताता है कि यह ट्रेंड केवल विकसित देशों में ही नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर है। आंकड़े बताते हैं कि हर नई पीढ़ी अब पहली के मुकाबले ज्यादा तनाव में है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका व ब्रिटेन में किए गए एक अन्य सर्वे में कम पढ़े–लिखे युवा कर्मियों में अवसाद ज्यादा पाया गया है। पहले मान्यता रही है कि नौकरीपेशा लोगों में नौकरी मिलने के बाद तनाव कम होता है,लेकिन आज हकीकत ठीक इसके विपरीत है। ब्रिटेन के एक सर्वे में कहा गया है कि साल 2016 के बाद चालीस से कम उम्र के युवाओं में चिंता व अवसाद पहले के मुकाबले ज्यादा हो गया है। वैसे यह भी हकीकत है कि जिन देशों में रोजगार की स्थिति बेहतर है,वहां मानसिक सेहत में सुधार हुआ है। दरअसल, तमाम अध्ययन बता रहे हैं कि सोशल मीडिया में लगातार सक्रियता युवाओं को वास्तविक सामाजिक जीवन से दूर कर रही है। वे कृत्रिम जीवन में जी रहे हैं। जब हम समाज व मित्रों के बीच सक्रिय रहते हैं तो बातचीत से तनाव मुक्त रह सकते हैं। देर रात तक सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने से युवाओं का नींद का चक्र बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। आभासी मित्रता के बजाय आमने–सामने की बातचीत सेहत के लिये ज्यादा लाभकारी होती है। यह जीवन की हकीकत है कि हमारे जीवन में योगदान देने वालों के प्रति यदि हम कृतज्ञता का भाव रखते हैं तो हमारा जीवन– व्यवहार सहज हो जाता है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि हम जिन चीजों के प्रति कृतज्ञ हैं, उनके बारे में लिखने से हमारा नजरिया बदलता है। हमारा मानसिक स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी दिनचर्या कितनी अनुशासित व संतुलित है। रात को जल्दी सो जाने और सूर्योदय के साथ उठने से हम दिनभर प्रफुल्लित रह सकते हैं। विडंबना यह भी कि सोशल मीडिया पर आधुनिक जीवन की जो चमक–दमक दिखायी जाती है,युवा उसको पाने की आकांक्षा करने लगते हैं। लेकिन जीवन का यथार्थ कठोर है। निस्संदेह, वैज्ञानिक उन्नति व तकनीकी विकास से पूरी दुनिया में रोजगार के अवसरों का संकुचन हुआ है। श्रम आधारित उद्योगों के बजाय कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले उद्योगों के बढ़ने से यह स्थिति पैदा हुई है। साथ ही नौकरियों में अस्थिरता व असुरक्षा के चलते भविष्य को लेकर जो अनिश्चितता पैदा होती है, उससे युवाओं में तनाव की वृद्धि होती है। भौतिकवादी नजरिये के चलते आज के युवा जिस जीवनशैली की आकांक्षा रखते हैं, वह पूरी न होने पर भी वे डिप्रेशन के शिकार बन जाते हैं। युवाओं को जीवन के कठोर यथार्थ से जूझने का संबल देना वक्त की जरूरत है। असीमित आकांक्षाओं व जीवन के यथार्थ में साम्य स्थापित करना तमाम समस्याओं का समाधान देता है। सोशल मीडिया से सुरक्षित दूरी इसमें मददगार साबित हो सकती है।

मोदी के नैतिक साहस पर सवाल

डॉ. दीपक पाचपोर

बेशक भारत किसी युद्ध का समर्थन नहीं करता, लेकिन रूस उसका परंपरागत मित्र रहा है और मोदी ने शायद रूस की नाराजगी की कीमत पर यूक्रेन दौरा किया था।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति का समर्थन किया है। जेलेंस्की का कहना है कि भारत पर टैरिफ लगाकर ट्रंप ने बिल्कुल सही किया। ये वही जेलेंस्की है, जिनसे अभी 30 अगस्त को ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फोन पर वार्ता कर द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दिखाई थी। यह चर्चा श्री मोदी ने चीन में रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से होने वाली भेंट से पहले की थी। शायद अब देश में कूटनीति की जगह मोदी नीति लागू हो गई है जिसमें दो दुश्मन देशों को एक साथ साधने के लिए एक बार इससे बात करो, फिर उससे बात करो। दोनों को यह अहसास कराओ कि हम ही आपके सगे हैं और आपके साथ खड़े हैं, जबकि असल में खुद हमें ही नहीं मालूम कि हम किसके साथ हैं और क्या चाहते हैं। याद करें इन्हीं नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल अगस्त में यूक्रेन का दौरा कर वहां अहम समझौते सरकार के साथ किए थे। इस दौरान वे युद्ध में मारे गए बच्चों पर मल्टीमीडिया प्रदर्शनी देखने राष्ट्रीय संग्रहालय भी गए थे। मोदी–जेलेंस्की की एक तस्वीर काफी वायरल हुई थी, जिसमें जेलेंस्की के कंधे पर हाथ रखकर मोदी भावुक नजर आते हैं, मानो उनका दुख साझा कर रहे हों। ये और बात है कि इसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सामने बैठकर मोदी–जेलेंस्की मुलाकात की सफाई पेश करनी पड़ी थी। बेशक भारत किसी युद्ध का समर्थन नहीं करता, लेकिन रूस उसका परंपरागत मित्र रहा है और मोदी ने शायद रूस की नाराजगी की कीमत पर यूक्रेन दौरा किया था। हालांकि भारत से दशकों पुराने संबंध ध्यान रखते हुए रूस ने कोई बड़ा कदम नहीं उठाया। मगर अभी चीन में जिस तरह मोदी से मिलने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से पुतिन की मुलाकात हुई, वह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में बदलते समीकरणों पर बड़ा संकेत हैं। अफसोस है कि नरेन्द्र मोदी इन संकेतों की लगातार अनदेखी कर रहे हैं। शायद अमेरिका को खुश करने के लिए नरेन्द्र मोदी ने जेलेंस्की के साथ नजदीकी दिखाई थी, लेकिन अब जेलेंस्की इस बात पर संतोष जता रहे हैं कि भारत पर अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। पाठक जानते हैं कि इसमें 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ तो केवल इस बात के लिए ही लगाया गया है कि भारत रूस से तेल खरीद रहा है। अमेरिका हर तरह से दबाव डाल रहा है कि किसी भी तरह भारत रूस से तेल का व्यापार बंद करे। यह साफ–साफ हमारी संप्रभुता पर आक्रमण है, लेकिन नरेन्द्र मोदी इस हमले से अविचलित हैं। ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो लगातार भारत पर आग उगल रहे हैं। बीते दिनों नवारो ने यहां तक कह दिया था कि यूक्रेन में रूस नहीं भारत लड़ रहा है। अब ट्रंप सरकार के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों के खिलाफ और सख्ती की अपील की है। इसमें यूरोपीय यूनियन को साथ लाया जा रहा है। बेसेंट के बयान से ऐसा लग रहा है कि अमेरिका एक बार फिर से भारत पर और दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। पिछले हफ्ते शुक्रवार को यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा ने कहा था कि यूरोपियन यूनियन वॉशिंगटन में एक प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है, जो रूस के खिलाफ और कड़े प्रतिबंधों पर बात करेगा। मतलब अमेरिका के बाद यूरोपीय यूनियन में भारत विरोधी माहौल बन रहा है। इधर शुक्रवार को ही अमेरिका के वाणिज्य मंत्री होवार्ड लुटनिक ने कहा है कि, एक या दो महीने में भारत बातचीत की टेबल पर आएगा और क्षमा याचना करेगा। भारत ट्रंप के साथ समझौता करने की कोशिश करेगा। इसके बाद ट्रंप तय करेंगे कि मोदी के साथ कैसे डील करना है। इन सिलसिलेवार बयानों से जाहिर हो रहा है कि ट्रंप सरकार में लगातार भारत की अवहेलना हो रही है। खुद डोनाल्ड ट्रंप ने भी बीते दिनों व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग के साथ नरेन्द्र मोदी की मुलाकात पर कहा था कि भारत–रूस चीन की छाया में चले गए हैं। यह भी भारत के लिए अपमान ही है कि उसे साफ–साफ किसी खेमे में बताया जाए। व्यापार के साथ सरकार चलाने वाले डोनाल्ड ट्रंप अपना मुनाफा देखकर बयान देते हैं, ऐसे में नरेन्द्र मोदी को तय करना है कि उन्हें भी केवल अपने मित्र कारोबारियों का ख्याल रखना है या देश हित भी देखना है। क्योंकि तीन दिन पहले ट्रंप ने मोदी को महान नेता बताते हुए अपना मित्र बताया तो फौरन नरेन्द्र मोदी ने जवाब देकर आभार जता दिया। जबकि इससे पहले बीसीयों बार ट्रंप ने युद्धविराम या टैरिफ को लेकर भारत के साथ जो बेहूदगी दिखाई, उस पर मोदी ने फौरन पलटवार करने की जहमत नहीं उठाई। अब देखना है कि जेलेंस्की के बयान पर मोदी कोई जवाब देते हैं या नहीं। पिछले अनुभव तो यही बताते हैं कि मोदी इस बार भी चुप ही रहेंगे। कब, कहां, क्या बोलना है या चुप रहना है, यह मोदी का अधिकार क्षेत्र है, मगर फिर इसके बाद भारत के लोकतंत्र को महान बनाने के लिए अपनी पीठ उन्हें नहीं थपथपाना चाहिए, क्योंकि लोकतंत्र व्यापारियों का, व्यापारियों के लिए, व्यापारियों द्वारा बनाई गई व्यवस्था नहीं है। इसमें लोक और देश का हित सर्वोपरि नजर आना चाहिए। जैसा जापान में नजर आया। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने रविवार को इस्तीफा दे दिया है क्योंकि सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी को ऊपरी सदन (हाउस ऑफ काउंसलर्स) के चुनाव में हार मिली। इससे पहले अक्टूबर में निचले सदन का चुनाव भी एलडीपी हार चुकी है। दरअसल जापान में महंगाई और अमेरिका के टैरिफ को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के खिलाफ नाराजगी है। जिसके बाद नैतिकता के आधार पर इशिबा ने इस्तीफा दे दिया।

पितृपक्ष

पितृ पक्ष में श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। जैसा कि हम सभी को विदित है कि, इस साल पितृ पक्ष (2025) की शुरुआत 7 सितंबर से हो चुकी है। वहीं, इसका समापन 21 सितंबर को होगा।

जाने चले जाते हैं कहाँ
.

मगर जाने वाले यादों में हमेशा जीवित रहते हैं , पितृपक्ष के बहाने ही सही हमारी स्मृतियों में उनके तौर तरीके और खान पान की विधि ताज़ा हो जाती है ।यह उनके प्रति इन 16 दिनों में जो याद हैं या जो भूले बिसरें है सबकी बातें याद कर लेते हैं। हम साथ रहे जिनके दुख दर्द सहे जिनके वें हमारे ही थे हमारे पास सब उनकी ही देन है । याद करने में बुराई क्या है।

माना कि मिट्टी की देह मिट्टी में मिल जाती है,

मगर इस शरीर और उसके नाम से जुड़े सब रिश्ते–नाते, प्रेम, नफरत, बैर, सद्भभाव, सम्मान एवं कड़वे–मीठे अनुभव सदैव साथ रहते हैं !

याद करों तो हर बात याद आती है , लगता ही नहीं कि जिसकी वो देह थी वह अब साथ नहीं है!

पितृपक्ष ऐसे ही पितृों के संग–साथ होने के दैवीय अनुभव को जीकर आत्मसात करने का पक्ष रहता है !

मान्यतानुसार इन दिनों के दौरान हमें अपने पूर्वजों को पूरी श्रद्धा से स्मरण कर उनका तर्पण एवं श्राद्ध करना चाहिए

पुराणों में लिखा है कि इन दिनों हमसे दूर गए हमारे पूर्वज धरती पर आकर हमारे साथ ही रहते हैं

इन मान्यताओं को लेकर अक्सर लोग तरह तरह के सवाल करते पाए जाते हैं कि मरने के बाद भला कौन खाने आता है ? मगर वो जो हमारे थे उनके हिस्से का खाना एक दिन हम जरूरतमंद को खिला भी दें तो फर्क क्या पड़ता है ।

पितृपक्ष की वैज्ञानिक दृष्टिकोण से लिखी गई व्याख्या भी मिल जाएगी।मगर सीधी सरल बात यह कि हम अपने मृतकों याद भी न करें तो यह अन्याय होगा उनके , अपने व अगली पीढ़ी के साथ , कुछ चीजें हस्तांतरित होती हुई अच्छी लगती है ।

पूरा साल अपनी पसंद ना पसंद का ही भोजन बनता व खाते है । साल में एक दिन अपने उन प्रियजनों की आत्मा संतुष्ट करने की खातिर उनकी पसन्द का भोजन बनाकर खा लेगे तो कुछ पहाड़ न टूट पड़ेगा।

सोचो पितृपक्ष न होते तो क्या हम याद करते कि दादाजी दादी जी को पेठा कचौरी पसन्द थी , हलवा सूजी का नहीं बेसन का या आटे का खाती थी ।

लौकी की सब्जी सिर्फ जीरे हींग के तड़के के साथ खाती थी ,लाल मिर्च न के बराबर और हरी मिर्च नीबू और रायता राई में छौंक लगा पसंद था दादा जी को!

नानी मीठे चीले आम अचार, मीठे चावल संग लौकी का रायता पसन्द करती थी ।

बाबा जी को चटपटा भोजन जायके दार पसन्द था , खाने से पहले दवा रूप में एक पैग भी लगा लेते थे ।

चीनी का मीठा नहीं गुड़ से या शक्कर से मीठा दूध बनवा पीते थे, रात में सोते वक्त दूध ना मिले तो नींद न आती थी ।

पूर्वज कभी कहीं नहीं जाते, वे हमारे साथ सदैव वास करते हैं

शुभेच्छा चाहने वाले हमारे पूर्वजों के लिए पितृपक्ष तो केवल बहाना है, दिल में महसूस कर के देखिए तो

आस पास या उस व्यक्ति में नजर आने लगता है जिसे हम उनकी पसन्द का भोजन खिलाते है।

पूर्वजों की उपस्थिति अहसास ही तो है जिसे हम भीतर तक महसूस करें तो पाते हैं वो नजदीक है।

प्रमाण की तो आवश्यकता ही नहीं ! हम हर पल उनके आशीर्वाद की छत्र छाया में ही पलते जाते हैं ।

उनके नाम का किसी को भोजन कराने का जो सुखद अहसास ह्रदय को होता है उसके सामने हर वैज्ञानिक तर्क भी विफल है !

भले ही मरने के बाद कोई खाने नहीं भी आता हो । मगर इस बहाने वें जाने वाले हमारे जहन में तो आ ही जाते हैं । न जाने आए दिन तरह तरह के दिवस मनाते रहते हैं तो उन पूर्वजो का दिवस क्यों न मनाए जो हमें एक वंश एक परिवार एक नाम एक रुतबा और सम्पति भी पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरण करते गये हैं ।सब कुछ पूर्वजो का ही तो देन हैं ,वर्ना हम कौन थे ! कहां होते ! होते भी या नहीं होते ।

–सुनीता मलिक सोलंकी 'मीना'
मुजफ्फरनगर उप्र

गीत

'मैंने भी मोल खरीदे आंसू'

डा. भगवान प्रसाद उपाध्याय

मैंने भी मोल खरीदे आंसू
जब पीड़ा के बाजार में
पलकों पर उनको बैठाया
लिया जगत व्यवहार में

प्रतिपल बने दुखों के साथी
वह कष्ट उठाते रहे सदा
जग का दर्द बटोर रहे हैं
रात – रात भर जगे सदा

साधा स्वार्थ सभी ने अपना
उनका कोई हो न सका
इतने बने निरीह यहाँ वे
उन पर कोई रो न सका

छल प्रपंच ने शोषण करके
छोड़ दिया मझधार में
मैंने भी मोल खरीदे आंसू
जब पीड़ा के बाजार में

उसने खूब रुलाया इनको
ये जिन पर विश्वास किये
मार दुधारी अरमानों पर
कदम कदम प्रतिघात किये

ऐसा पाठ पढ़ाया जग ने
परछाई से भी डर लगता
इधर चलें या उधर चलें
कोई भी मार्ग नहीं मिलता

सबने जी भरकर है लूटा
कोई भी न बचा संसार में
मैंने भी मोल खरीदे आंसू
जब पीड़ा के बाजार में

निवास : 'पत्रकार भवन'
गंधियांव, करछना, प्रयागराज, उ०प्र०, पिनकोड– 212301,
दूरभाष – 9935205341, 8299280381

पंजाब में भीषण बाढ़ के संभावित कारण तथा सिंधु जल विवाद से कोई संबंध

एस आर दारापुरी

उत्तरी भारत और पूर्वी पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में फैला एक उपजाऊ क्षेत्र, पंजाब, अपनी भौगोलिक स्थिति, नदी प्रणालियों और मौसमी मौसम के कारण बाढ़ के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। यह क्षेत्र सिंधु बेसिन की प्रमुख नदियों, जिनमें सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब और झेलम शामिल हैं, से घिरा हुआ है, जिनका उद्गम हिमालय से होता है और मानसून के मौसम (आमतौर पर जून से सितंबर) के दौरान भारी मात्रा में पानी लाती हैं। इस क्षेत्र में बाढ़ भारतीय पंजाब और पाकिस्तानी पंजाब, दोनों को प्रभावित कर सकती है, अक्सर एक साथ, जैसा कि 2025 की विनाशकारी बाढ़ में देखा गया था जिसने सीमा पार लाखों लोगों को प्रभावित किया था। नीचे, मैं पर्यावरणीय, जलवायु और मानवीय कारकों को ध्यान में रखते हुए, हाल के और ऐतिहासिक पैटर्न के आधार पर प्रमुख कारणों की रूपरेखा प्रस्तुत करूँगा। तीव्र और लंबे समय तक चलने वाली मानसूनी वर्षा पंजाब में बाढ़ का मुख्य कारण है। 2025 में, उत्तरी भारत और पाकिस्तान में दशकों की सबसे भारी बारिश हुई, और पंजाब में अकेले अगस्त में औसत से 74: अधिक बारिश हुई। इसके कारण सतलुज, व्यास, रावी और घग्गर जैसी नदियाँ तेजी से उफान पर आ गईं, जिससे विशाल कृषि भूमि और गाँव जलमग्न हो गए। हिमालयी राज्यों,क्षेत्रों (जैसे, भारत में हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, या उत्तरी पाकिस्तान) में ऊपरी धाराओं में होने वाली वर्षा पंजाब के समतल मैदानों में निचले धाराओं में बाढ़ को बढ़ा देती है, जहाँ पानी की निकासी के लिए कोई जगह नहीं होती। जलवायु परिवर्तन ने इन घटनाओं को और तीव्र कर दिया है, जिससे मानसून अधिक अनिश्चित और घातक हो गया है। अध्ययनों से संकेत मिलता है कि ग्लोबल वार्मिंग भारी बारिश की संभावना को बढ़ा देती है, जिससे इस क्षेत्र में भूस्खलन और अचानक बाढ़ आने की संभावना बढ़ जाती है। पंजाब की नदियाँ अक्सर गाद जमाव (नदी की क्षमता को कम करने वाली तलछट का जमाव), तटबंधों में दरार, या अत्यधिक बारिश के दौरान ऊपरी धाराओं के बाँधों से अचानक पानी छोड़े जाने के कारण उफान पर आ जाती हैं। उदाहरण के लिए, 2025 में, भारत में पोंग और भाखड़ा जैसे बांधों से नियंत्रित जल–त्याग ने भारतीय पंजाब में निचले इलाकों में जलप्लावन को बढ़ावा दिया। पाकिस्तान के पंजाब में भी इसी तरह की समस्याएँ उत्पन्न होती हैं, जहाँ दबाव के कारण बैराज और नहरें टूट जाती हैं, जैसा कि रावी नदी द्वारा लाहौर जैसे शहरी इलाकों में बाढ़ आने पर देखा गया। 2022 जैसी ऐतिहासिक बाढ़ें, अपर्याप्त बाढ़ अवरोधों और पूर्व चेतावनी प्रणालियों को उजागर करती हैं। पंजाब में समतल स्थलाकृति एक प्राकृतिक सिंक के रूप में कार्य करती है, जहाँ पानी आसानी से जमा हो जाता है, जिससे बाढ़ लंबी हो जाती है और व्यापक फसल क्षति होती है (उदाहरण के लिए, 2025 में भारतीय पंजाब में 175,000 एकड़ से अधिक भूमि जलमग्न हो गई)। शहरीकरण, वनों की कटाई और नदी तटों पर अतिक्रमण प्राकृतिक अवशोषण को कम करते हैं और बाढ़ के मैदानों को संकरा करते हैं, जिससे अपवाह बिगड़ता है। दोनों पंजाबों में, नदियों के किनारे अवैध निर्माणों ने जल निकासी चौनलों को अवरुद्ध कर दिया है। कृषि पद्धतियाँ, जिनमें अत्यधिक सिंचाई और खराब भूमि प्रबंधन शामिल हैं, मृदा अपरदन और जल धारण क्षमता में कमी लाती हैं। अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा, जैसे पुरानी जल निकासी प्रणालियाँ और निकासी में देरी, प्रभावों को और बढ़ा देती हैकृकेवल 2025 में ही पाकिस्तान के पंजाब में लगभग 10 लाख लोगों को निकाला गया। ये कारण आपस में जुड़े हुए हैं, और जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक और मानव–जनित कमजोरियों को बढ़ाने में सहायक है। 1960 में हस्ताक्षरित और विश्व बैंक द्वारा मध्यस्थता की गई सिंधु जल संधि (ॅ्ज), सिंधु नदी प्रणाली के जल को भारत (पूर्वी नदियोंरू सतलुज, व्यास, रावी पर नियंत्रण) और पाकिस्तान (पश्चिमी नदियाँरू सिंधु, झेलम, चिनाब) के बीच आवंटित करती है। इसे संघर्षों को रोकने के लिए डिजाइन किया गया था, जिसमें भारत द्वारा ऊपरी जल प्रवाह में हेरफेर करके पाकिस्तान में बाढ़ या सूखा पैदा करने की क्षमता भी शामिल है। हालाँकि, भारतीय बाँध परियोजनाओं (जैसे, चिनाब और झेलम पर), जलवायु दबाव और भू–राजनीतिक तनावों को लेकर विवादों के कारण यह संधि तनाव में रही है। बाढ़ से सीधा संबंध? आरोप हैं, खासकर पाकिस्तान की ओर से, कि इस विवाद के बीच भारत की कार्रवाइयों ने पाकिस्तान के पंजाब में बाढ़ को और बढ़ा दिया है। 2025 में, पाकिस्तान ने एक आतंकवादी हमले के बाद संधि को निलंबित करके भारत पर ष्पानी का हथियारीकरणष करने का आरोप लगाया, जिसके कारण कथित तौर पर भारतीय बांधों से अघोषित पानी छोड़ा गया जिससे निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई। उदाहरण के लिए, रावी नदी पर बैराजों में दरारों का संबंध भारत द्वारा वास्तविक समय के जल विज्ञान संबंधी आंकड़े साझा करने या बाढ़ की उचित चेतावनी देने में विफलता से था, जो संधि के प्रोटोकॉल का उल्लंघन था। भारत का दृष्टिकोण और विशेषज्ञ रायरू भारत जानबूझकर बाढ़ आने से इनकार करता है, और भारी बारिश जैसे प्राकृतिक कारणों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराता है, और पाकिस्तान पर अपने बुनियादी ढांचे का रखरखाव न करने का आरोप लगाता है। विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि हालाँकि यह विवाद सहयोग (जैसे, डेटा साझाकरण) में बाधा डालता है, लेकिन 2025 की बाढ़ का मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन है, न कि जानबूझकर की गई तोड़फोड़। संधि के निलंबन ने भविष्य में और भी बदतर संकटों की आशंकाएँ बढ़ा दी हैं, क्योंकि यह संयुक्त बाढ़ प्रबंधन के तंत्र को हटा देता है। भारतीय पंजाब पर प्रभावरू इस विवाद का यहाँ प्रत्यक्ष प्रभाव कम है, क्योंकि बाढ़ का कारण भारत के आंतरिक नदी प्रबंधन और भारत के भीतर ऊपरी इलाकों में होने वाली बारिश ज्यादा है। हालाँकि, व्यापक तनाव सिंधु बेसिन में साझा जलवायु जोखिमों से निपटने के द्विपक्षीय प्रयासों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर सकते हैं। संक्षेप में, हालाँकि सिंधु जल संधि विवाद ने दोषारोपण को बढ़ावा दिया है और सहयोग को कम किया हैकृजो खराब डेटा साझाकरण या अनियंत्रित जल निकासी के कारण पाकिस्तान के पंजाब में बाढ़ की स्थिति को और बदतर बना सकता हैकृलेकिन इसके मूल कारण जलवायु और बुनियादी ढाँचे से जुड़े हैं। इस संधि को मजबूत करने से दोनों पक्षों के लिए भविष्य के जोखिमों को कम करने में मदद मिल सकती है।

जब प्रियंका के लिए अक्षय कुमार ने पत्नी को दिया था धोखा, घर छोड़कर चली गई थी ट्विंकल

बॉलीवुड के जाने–माने अभिनेता अक्षय कुमार आज 58 वर्ष के हो गये हैं। वैसे तो खिलाड़ी कुमार ने कई हीरोइनों के साथ काम किया है , लेकिन प्रियंका चोपड़ा और उनकी जोड़ी बॉलीवुड की हिट जोड़ियों में गिनी जाती है। पर एक वक्त ऐसा आया कि पर्सनल लाइफ और फैमिली प्रायोरिटी के चलते अक्षय ने उनके साथ आगे फिल्में न करने का फैसला लिया। चलिए आज जानते हैं दोनों के उन पुराने किस्सों के बारे में जिनके चर्चे आज भी होते हैं। कुछ सालों पहले फिल्ममेकर सुनील दर्शन ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि कैसे प्रियंका के कारण अक्षय का घर टूटने की कगार पर पहुंच गया था। सुनील दर्शन के अनुसार, अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा के बीच बेहतरीन कैमिस्ट्री थी और दर्शक इन्हें स्क्रीन पर खूब पसंद करते थे। ऐसे में दोनों के बीच नजदीकियां भी बढ़ने लगी थी, जिससे अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना को इस बात से परेशानी होने लगी थी। उनकी आपत्तियों के चलते अक्षय ने प्रियंका के साथ आगे काम न करने का फैसला लिया। सुनील दर्शन ने बताया था कि फिल्म बरसात (2005) की शूटिंग अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा के साथ शुरू हो रही थी। हालांकि, फिल्म को एक ही शेड्यूल में पूरा करने की योजना थी, लेकिन घटनाओं ने अचानक करवट ले ली। उन्होंने बताया कि शूटिंग शुरू होने से पांच दिन पहले अक्षय ने उनसे मिलने का आग्रह किया। मिलने पर अक्षय ने उन्हें बताया कि प्रियंका से जुड़ी खबरों के चलते ट्विंकल खन्ना नाराज होकर घर छोड़कर चली गई है। सुनील ने स्पष्ट किया कि प्रियंका दोषी नहीं थीं, उनका कहना है कि शादीशुदा होने के नाते अभिनेता के लिए जिम्मेदार होना और भी जरूरी हो जाता है। उनका कहना था कि एक एक्टर के तौर पर आपको जिम्मेदार होना पड़ता है. अगर आपकी पत्नी भी एक एक्ट्रेस रही हैं, तो वह इस इंडस्ट्री के

> “
> कुछ सालों पहले फिल्ममेकर सुनील दर्शन ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि कैसे प्रियंका के कारण अक्षय का घर टूटने की कगार पर पहुंच गया था। सुनील दर्शन के अनुसार, अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा के बीच बेहतरीन कैमिस्ट्री थी और दर्शक इन्हें स्क्रीन पर खूब पसंद करते थे।

बारे में सब कुछ जानती हैं और उन्होंने भी सभी बड़े सितारों के साथ काम किया है, वह सब कुछ जानती थी। इस स्थिति के चलते अक्षय ने फिल्म बरसात से अपना नाम वापस ले लिया। फिल्म में बॉबी देओल को मुख्य भूमिका के लिए कास्ट किया गया।

काजल अग्रवाल के निधन की फैली खबर, एक्ट्रेस ने खुद आकर बोला- मैं जिंदा हूं

दक्षिण की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई है। उनके फैंस उस समय सदमे में आ गए जब खबर आई कि सड़क दुर्घटना में काजल की मृत्यु हो गई। सोशल मीडिया पर ये अफवाहें तेजी से फैलीं, जिसके बाद अभिनेत्री को आगे आकर इन अटकलों पर विराम लगाना पड़ा।काजल ने दुर्घटना के झूठे दावों का जवाब दिया अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए स्पष्ट किया कि वायरल हो रही खबर पूरी तरह से निराधार है। झूठी खबरों पर अपनी राहत व्यक्त करते हुए, काजल ने लिखा–मुझे कुछ निराधार खबरें मिली हैं जिनमें दावा किया गया है कि मेरा एक्सीडेंट हुआ था और अब मैं इस दुनिया में नहीं हूं। और सच कहूं तो, यह काफी मजेदार है क्योंकि यह झूठ है। ईश्वर की कृपा से, मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहती हूं कि मैं बिल्कुल ठीक हूं, सुरक्षित हूं और बहुत अच्छा कर रही हूं। मैं आपसे विनम्र निवेदन करती हूं कि ऐसी झूठी खबरों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें फैलाएँ। आइए अपना ध्यान सकारात्मकता और सच्चाई पर केंद्रित रखें। काजल, जिन्होंने 2004 में क्यों! हो गया ना... से हिंदी सिनेमा में शुरुआत की थी, थुप्पक्की, टेम्पर, कोमली और हे सिनामिका जैसी हिट फिल्मों के साथ तमिल और तेलुगु सिनेमा के सबसे बड़े नामों में से एक बन गईं। उन्होंने हाल ही में कन्नप्पा में एक विशेष भूमिका निभाई और अब वह द इंडियन स्टोरी, इंडियन 3 और रामायण में दिखाई देंगी। अभिनेत्री ने अक्टूबर 2020 में व्यवसायी गौतम किचलू से शादी की। यह जोड़ा एक बेटे, नील, का माता–पिता है और काजल अक्सर अपने व्यस्त फिल्मी शेड्यूल के अपडेट के साथ–साथ अपने पारिवारिक जीवन की दिल को छू लेने वाली झलकियां साझा करती हैं।

‘ये रिश्ता...’ की शिवांगी जोशी का साड़ी में खूबसूरत और संस्कारी अंदाज, फैंस हुए मदहोश

टीवी शो ‘ये रिश्ता क्या कहलाता है’ की नायरा यानी शिवांगी जोशी ने अपने नए साड़ी लुक से फैंस का दिल जीत लिया है। लाल साड़ी में उनका ये देसी और संस्कारी रूप देखकर सोशल मीडिया पर लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इस लुक में शिवांगी ने अपने स्टाइल और सादगी का ऐसा मेल दिखाया है, जो हर किसी को आकर्षित कर रहा है। शिवांगी जोशी ने ‘ये रिश्ता क्या कहलाता है’ में नायरा का किरदार निभाकर घर–घर में अपनी खास पहचान बनाई। भले ही वह कई अन्य टीवी शोज में भी नजर आईं, लेकिन नायरा के किरदार से मिली लोकप्रियता उन्हें आज भी उनके फैंस इसी नाम से पुकारते हैं। हाल ही में गणपति उत्सव के मौके पर शिवांगी ने अपनी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिसमें उन्होंने लाल साड़ी पहनकर अपनी देसी खूबसूरती का जलवा बिखेरा। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं और लोग उनके इस लुक की खूब तारीफ कर रहे हैं। टीवी पर जहां शिवांगी संस्कारी बहू और बेटी के रोल में नजर आती थीं, वहीं रियल लाइफ में भी वह ट्रेडिशनल कपड़ों में बेहद खूबसूरत लगती हैं। इस बार उन्होंने एक सिंपल लेकिन बेहद स्टाइलिश लाल साड़ी पहनी, जो देखने में हल्की और आरामदायक लग रही थी। इस साड़ी में उन्होंने अपने लुक को ऐसा संवार रखा था कि कोई भी उन्हें देखता रह जाए। उनकी यह साड़ी किसी अप्सरा जैसी लग रही थी। शिवांगी ने जो साड़ी चुनी है वह बिल्कुल सिंपल प्लेन लाल रंग की है। इस साड़ी में न कोई भारी कढ़ाई थी और न ही कोई चमकीले सितारे, लेकिन उन्होंने पल्लू को बहुत ही खूबसूरती से स्टाइल किया था। पल्लू को नीट एंड क्लीन प्लीट्स में ओपन रखा गया था, जिससे उनका लुक और भी आकर्षक लग रहा था। उन्होंने भारी कढ़ाई वाला ब्लाउज पहना था, जो उनके पूरे लुक का स्टार था। उनका ब्लाउज रेड रंग का था, जिस पर छोटे–छोटे मोतियों की कढ़ाई की गई थी। पूरे ब्लाउज को मोतियों से बेल जैसा डिजाइन दिया गया था, जो पूरी तरह से फुल स्लीव्स था। नेकलाइन और बॉर्डर को जिगजैग लाइन में डिजाइन किया गया था, जिससे

ब्लाउज में एक स्टाइलिश टच देखने को मिला। इस ब्लाउज ने लाल साड़ी के सिंपल लुक को परफेक्ट बना दिया। शिवांगी ने अपने इस ट्रेडिशनल लुक को राजमानी ज्वेलर्स के खूबसूरत चोकर सेट से सजाया। इसमें लगे सफेद और सुनहरे मोती उनकी साड़ी के साथ बहुत अच्छे लग रहे थे। हाथ में पहनी अंगूठी भी उनके लुक में चार चांद लगा रही थी। उनकी ज्वेलरी काफी सिंपल लेकिन क्लासी थी, जिससे उनका लुक और भी निखर गया। अपने चेहरे को और निखारने के लिए शिवांगी ने छोटी–सी काली बिंदी लगाई थी, जो उनके लुक को और भी खूबसूरत बना रही थी। बालों को उन्होंने बीच में पार्ट करके खुला छोड़ा था, तो कभी हाफ पिनअप करके कुछ लटें बाहर निकाली थीं। ब्राउन लिप्स उनके चेहरे पर एक खास चमक ला रहे थे, जो उनके देसी और मदमस्त अंदाज को परफेक्ट बना रहे थे।

पर्वेज दमानीया द्वारा क्यूरेट की गई छह-दिवसीय प्रदर्शनी, 20 सितम्बर 2025 से पिरामल एनसीपीए गैलरी में शुरू

शिवदत्त दास आर्ट फाउंडेशन पेश करता है एंड्यूरिंग लेगेसीजरू एडिशन 1– टाइमलेस फ्रेम्स फोटोग्राफिक जर्नी थ्रू इंडियन सिनेमा, जो श्री दामोदर कामत के अद्भुत कार्यों को उजागर करता है वह अनसुना मराठी युवक जिसकी कैमरा दृष्टि ने भारतीय सिनेमा के दृश्य इतिहास को आकार दिया। श्री दामोदर कामत के कालजयी फोटोग्राफ्स को आम दर्शकों तक पहुँचाने के बारे में बोलते हुए अर्थशास्त्री और उद्योगपति शिवदत्त दास ने कहा, "मैं हमेशा मानता हूँ कि कला और संस्कृति किसी भी राष्ट्र की पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। श्री दामोदर कामत, जो इस मिट्टी के गर्वित मराठी सपूत थे, लंबे समय तक अनसुने रहे, जबकि उन्होंने भारतीय सिनेमा और उसके दृश्य इतिहास में उल्लेखनीय योगदान दिया। शिवदत्त दास आर्ट फाउंडेशन के माध्यम से हमें यह सौभाग्य मिला है कि हम उनके असाधारण कार्यों को दुनिया के सामने लाएँ, ताकि उनकी कालजयी तस्वीरें आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का दीपक बनी रहें।" प्रदर्शनी को क्यूरेट करने के अनुभव पर बोलते हुए पर्वेज दमानीया ने कहा, "कामत फोटो फ्लैश और दामोदर कामत के विशाल कार्य को समझना और इस प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। उनकी तस्वीरें मात्र स्थिर छवियाँ नहीं हैं, बल्कि जीवित दस्तावेज हैं जो भारतीय सिनेमा की आत्मा को पकड़ते हैं, जिससे मैं हमेशा मोहित रहा हूँ। इस प्रदर्शनी के माध्यम से हमारा उद्देश्य दर्शकों को उस दौर में ले जाना है, जब हर फ्रेम एक कहानी कहता था, और सिनेमा के कुछ सबसे सुनहरे पलों का जश्न मनाना है। श्री दामोदर कामत ने केवल स्थिर तस्वीरें नहीं खींचीं, बल्कि उन्होंने भारत को सिनेमा देखना सिखाया। वर्षों तक उन्होंने राज कपूर, गुरु दत्त और बिमल रॉय जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ काम किया और शिल्प व गरिमा की एक विरासत रची। आज, तीन लाख से अधिक नेगेटिव्स का यह अनमोल संग्रह उनकी तीसरी पीढ़ीकृनेहा और अभिषेक कामतकृके संरक्षण में है। वे कामत फोटो फ्लैश के माध्यम से डिजिटलीकरण और विद्वानों, फिल्मकारों तथा शोधकर्ताओं के साथ सहयोग द्वारा इस धरोहर को आगे बढ़ा रहे हैं। सभी तस्वीरें 310" जर्मन पेपर पर प्रिंट की गई हैं, जिसे दुनिया के सर्वोत्तम फोटो प्रिंटिंग पेपर में गिना जाता है। भारतीय सिनेमा में उनके अभूतपूर्व योगदान के सम्मान में, यह छह–दिवसीय प्रदर्शनी दिलीप पिरामल आर्ट गैलरी, एनसीपीए, नरीमन पॉइंट, मुंबई में 20 से 25 सितम्बर 2025 तक आयोजित होगी। एनसीपीए न केवल एक प्रतिष्ठित पता है, बल्कि दिलीप पिरामल आर्ट गैलरी मुंबई में तस्वीरों की प्रदर्शनी के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थल है। इसे विशेष रूप से फोटोग्राफ प्रदर्शनी के लिए ही बनाया गया है। यह प्रदर्शनी केवल एक रेट्रोस्पेक्टिव नहीं है, बल्कि मुंबई की दृश्य धरोहर को संरक्षित करने का एक प्रयास है। ये तस्वीरें दिखाती हैं कि भारतीय सिनेमा को कैसे वित्त पोषित किया गया, कैसे गढ़ा गया और अंततः कैसे कल्पित किया गया। स्टूडियो फाइल से म्यूजियम की दीवार तक इन तस्वीरों की यात्राकृटाइमलेस फ्रेम्सरू फोटोग्राफिक जर्नी थ्रू इंडियन फिल्म्स जनता को सांस्कृतिक इतिहास के एक महत्वपूर्ण हिस्से तक पहुंच प्रदान करती है, साथ ही उस मराठी शिल्पकार को सम्मानित करती है जिसकी दृष्टि ने राष्ट्र की सामूहिक स्मृति को आकार दिया। उद्घाटन समारोह की शोभा महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री बढ़ाएँगे, साथ ही नगर के प्रतिष्ठित नेताओं तथा सांस्कृतिक और शैक्षणिक जगत के विशिष्ट सदस्यों की उपस्थिति होगी। भारतीय सिनेमा के आइकन जैसे रेखा जी, जीनत अमान, अनिल कपूर, अजय देवगन और काजोल, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट भी श्री दामोदर कामत की विरासत को श्रद्धांजलि देने हेतु उपस्थित होंगे। प्रदर्शनी में उमराव जान, मेरा नाम जोकर, प्यासा, संगम जैसी कई प्रतिष्ठित फिल्मों की कालजयी तस्वीरें प्रदर्शित की जाएँगी।

दाग–धब्बों से छुटकारा पाने के लिए गुड़हल के फूलों से बना फेस पैक लगाएं, दूर होंगी कई स्किन प्रॉब्लम्स

बात जब स्किन की देखभाल की आती है तो हम सभी थोड़ा सा आलास करने लगते हैं। जिस वजह से कई सारी स्किन प्रॉब्लम्स होने लगती है। त्वचा को निखार लाने, झुर्रियां हाटने के लिए और मुंहासो से बचाव के लिए आप गुड़हल के फूलों का फेस पैक अप्लाई कर सकते हैं। जानें इसके अन्य फायदे–

अक्सर हम सभी एक्ने और दाग–धब्बो से परेशान रहते हैं। बिजी लाइफस्टाइल के चलते हम खुद की देखभाल नहीं कर पाते हैं। जिस वजह से कई तरह की स्किन समस्याएं होने लगती है। ऐसे त्वचा की देखभाल करना काफी जरुरी होता है। वैसे तो स्किनकेयर के लिए कई तरह–तरह के प्रोड्क्ट्स बाजार में उपलब्ध है लेकिन प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करना बेहतर होता है क्योंकि, स्किन केयर प्रोडक्ट्स में कई तरह के हानिकारक केमिकल्स पाए जाते हैं, जो स्किन के लिए सेफ नहीं है। नेचुरल तरीके स्किन केयर किया जा सकता है। आप चाहे तो त्वचा को ग्लोइंग बनाने के लिए गुड़हल के फूलों का इस्तेमाल कर सकते हैं। आपको बता दें कि, गुड़हल के फूलों में एंटीऑक्सीडेंट्स अधिक मात्रा में पाई जाती है। गुड़हल का फूल त्वचा को एक्सफोलिएट कर और डेड स्किन सेल्स को रिमूव करता है। कैसे बनाएं गुड़हल के फूलों का फेस पैक।

गुड़हल के फूलों का फेस पैक लगाने के फायदे–

स्किन रैशेज दूर होते हैं

मानसून में त्वचा संक्रमण की वजह से कई बार स्किन पर रैशेज हो जाते हैं। रैशेज से छुटकारा पाने के लिए आप गुड़हल के फूलों फेस पैक अप्लाई कर सकते हैं। गुड़हल के फूलों से बना फेस पैक, रैशेज से राहत मिलती है। अगर इस मौसम में आप भी स्किन रैशेज से परेशान हैं, तो इस फेस पैक का जरुर इस्तेमाल करें।

दाग–दब्बों से छुटकारा मिलेगा

त्वचा की बेहतर देखभाल न करने से स्किन पर दाग–धब्बे होने लगते हैं। अगर आपके चेहरे या बॉडी के किसी अन्य स्थान पर दाग–धब्बे हो रखे हैं, तो आप गुड़हल के फूलों का फेस पैक अप्लाई करें। आपको बता दें कि, गुड़हल के फूलों में मौजूद एंटी–ऑक्सीडेंट्स, हारपरपिग्मेंटेशन को कम करता है। इससे त्वचा के दाग–धब्बे मिट सकते हैं।

डल और बेजान त्वचा से निजात पाएं

इस मौसम में अक्सर स्किन डल और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में आप बेजान त्वचा से छुटकारा पाने के लिए गुड़हल के फूलों का फेस पैक अप्लाई करें। गुड़हल के फूल, स्किन में इलास्टिन और कोलेजन को बढ़ाता है। अगर आप इस पैक को चेहरे पर लगाते हैं तो ड्राई स्किन समस्या भी दूर हो जाएगी।

एक्ने से बचाए

इस मौसम में ऑयली स्किन हो जाती है जिस वजह से एक्ने, फोड़े–फुंसियों की समस्या आम हो जाती है। ऐसे में आप एक्ने से बचने के लिए गुड़हल के फूलों का फेस पैक लगा सकते हैं। गुड़हल का फूल, मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने का काम करते हैं। इसके इस्तेमाल से पिपंल्स और एक्ने नहीं बनते हैं।

गुड़हल के फूलों से कैसे बनाएं फेस पैक?

सबसे पहले आप 3–4 गुड़हल के फूल लें। इन फूलों को अच्छे से पीस लें। अब इसमें मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल मिक्स करें। आप इस फेस पैक को चेहरे पर अप्लाई कर सकते हैं। इसे आप 10–15 मिनट बाद चेहरे को पानी से साफ कर लें। गुड़हल फेस पैक को आप सप्ताह में 1–2 बार कर सकते हैं।

बच्चे के पेट में हो गए हैं कीड़े, तो अपनाएं ये 5 आसान उपाय

क्या आपके बच्चे के पेट में कीड़े की समस्या हो रही है? ये एक सामान्य लेकिन परेशान करने वाली समस्या हो सकती है, और हमें इसके बारे में सही जानकारी होना बहुत जरूरी है। बच्चों की सेहत पर ध्यान देना हर माता–पिता की पहली जिम्मेदारी है।

कई बार, बच्चे न समझदारी से काम नहीं करते और इस वजह से उन्हें पेट में कीड़े जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप अपने बच्चे के पेट में कीड़े की समस्या को रोक सकते हैं और उसे स्वस्थ रख सकते हैं। हम पांच आसान और कारगर उपाय शेयर करेंगे, जो आपके बच्चे की सेहत को बेहतर बनाएंगे। तो चलिए, शुरू करते हैं और जानते हैं कि कौन से वो 5 उपाय हैं, जो आपके बच्चे की सेहत को बनाएंगे बेहतरीन।

साफ–सफाई पर ध्यान दे

स्वच्छता की आदतें बच्चों को कीड़ों के संक्रमण से बचाने में बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। बच्चों को सिखाएं कि खाना खाने और बाहर खेलने के बाद हाथ–पैरों को अच्छे से साबुन से धोना चाहिए। गंदगी और बैक्टीरिया से बचाव के लिए यह एक जरूरी कदम है। हाथ धोने की आदत से बच्चे न केवल कीड़ों से बल्कि अन्य संक्रमणों से भी बच सकते हैं। बच्चे को नियमित रूप से हाथ धोने के महत्व को समझाएं और उसे स्वच्छता के बारे में प्रेरित करें। आप बच्चों के लिए आकर्षक और रंगीन साबुन भी इस्तेमाल कर सकते हैं, ताकि वे हाथ धोने में रुचि दिखाएं।

स्वच्छ पानी और खाना ही दें

पेट में कीड़ों की समस्या का एक बड़ा कारण दूषित पानी और खाना हो सकता है। इसलिये बच्चों को हमेशा साफ और फिल्टर किया हुआ पानी दें। इसके अलावा, भोजन को अच्छी तरह से धोना और उसे ताजे और सुरक्षित तरीके से तैयार करना भी महत्वपूर्ण है। बासी और खराब भोजन से बचने की कोशिश करें, ताकि आपके बच्चे का पेट स्वस्थ रहे। घर में एक पानी का फिल्टर इंस्टॉल करें और बच्चों को सिखाएं कि बाहर से आने पर हमेशा पानी पीने से पहले उसकी स्वच्छता की जांच करें।

घर की साफ–सफाई पर ध्यान दें

घर की स्वच्छता न केवल आपके बच्चे के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि यह कीड़ों के संक्रमण को भी कम करती है। नियमित रूप से घर, किचन, और बाथरूम की सफाई करें। गंदगी और अव्यवस्था से कीड़े जल्दी फैलते हैं, इसलिए घर की सफाई को एक आदत बनाएं। सप्ताह में कम से कम एक बार पूरे घर की गहरी सफाई करें और कीटाणुनाशक का प्रयोग करें, ताकि घर हमेशा साफ और स्वस्थ रहे।

बाहर नंगे पैर न चलने दें

गंदगी भरी जगहों पर नंगे पैर चलने से बच्चों को कीड़ों का खतरा होता है। बाहर खेलते समय बच्चों को हमेशा जूते पहनाएं, ताकि वे गंदगी और कीटाणुओं से सुरक्षित रह सकें। यह एक साधारण लेकिन प्रभावी तरीका है जो बच्चों को कीड़ों के संपर्क से बचाता है। इस बात पर ध्यान दे कि बच्चों के जूते सही आकार के हों और खेलकूद के दौरान उन्हें आरामदायक लगें, ताकि वे जूते पहनने में सहज महसूस करें।

हेल्दी डाइट को पहल दें

संतुलित और पौष्टिक आहार बच्चे की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। एक अच्छा इम्यून सिस्टम संक्रमण से लड़ने में सक्षम होता है, जिससे पेट में कीड़े लगने का जोखिम कम हो जाता है। अपने बच्चे की डाइट में फल, सब्जियां, डेयरी प्रोडक्ट्स और साबुत अनाज शामिल करें। बच्चों को विभिन्न रंग–बिरंगे फल और सब्जियां खाने के लिए प्रेरित करें। उन्हें हेल्दी स्नैक्स जैसे ताजे फलों का सेवन कराएं और जंक फूड से दूर रखें। इन उपायों को अपनाकर और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाकर, आप अपने बच्चे को पेट के कीड़ों के खतरे से बचा सकते हैं। हालांकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि अगर बच्चे को कीड़े की समस्या हो, तो समय पर चिकित्सा देखभाल प्राप्त करें और डीवर्मिंग प्रोटोकॉल का पालन करें। सतर्कता, शिक्षा और स्वस्थ आदतों के साथ, आप अपने बच्चे के स्वास्थ्य और खुशहाली को सुनिश्चित कर सकते हैं।

सफेद बालों से नहीं होना पड़ेगा परेशान, अगर इस तरह करेंगे आंवले का इस्तेमाल

बालों का सफेद होना और कमजोर होना एक सामान्य समस्या है, जिसे हर उम्र के लोग अनुभव कर सकते हैं। बाजार में बालों के काले करने के लिए कई केमिकल युक्त प्रोडक्ट मौजूद हैं, लेकिन इनका लगातार उपयोग बालों को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में एक नेचुरल और साइड इफेक्ट–फ्री उपाय के रूप में आंवला को अपनाया जा सकता है। आंवला के उपयोग से बालों को काला करने के साथ–साथ उनकी मजबूती और चमक भी बढ़ाई जा सकती है। आइए जानते हैं कि आंवला का किस तरह इस्तेमाल करके आप सफेद बालों से निजात पा सकते हैं और इस उपाय के कोई साइड इफेक्ट्स नहीं हैं।

आंवला का पेस्ट

आंवला का पेस्ट बनाकर इसे बालों की जड़ों में लगाना एक प्रभावी उपाय है। इसके लिए आंवला को कद्दूकस कर लें और इसे एक चम्मच दही के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों की जड़ों पर अच्छे से लगाएं और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे बालों को काला करने के साथ–साथ उन्हें मजबूत भी किया जा सकता है।

आंवला और नारियल तेल

नारियल तेल में आंवला का तेल मिलाकर इसका प्रयोग भी फायदेमंद होता है। इसके लिए नारियल तेल में आंवला का पाउडर डालकर इसे धीमी आंच पर गरम करें। फिर इस मिश्रण को ठंडा होने के बाद अपने बालों में लगाएं और एक घंटे के लिए छोड़ दें। इसके बाद बालों को शैम्पू से धो लें। इस विधि से बालों की रंगत बढ़ेगी और बालों की स्थिति में सुधार होगा।

आंवला का जूस

आंवला का जूस भी बालों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। इसे प्रतिदिन एक गिलास पिएं। इससे आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलेंगे, जो बालों को अंदर से स्वस्थ बनाएंगे। आंवला का जूस पीने से बालों के सफेद होने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है और बालों की चमक भी बढ़ सकती है।

आंवला के फायदे

विटामिन सी का अच्छा स्रोत, आंवला में भरपूर मात्रा में विटामिन ब होता है, जो बालों को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है। अवशोषण में सुधार यह बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है और उनके अवशोषण को सुधारता है। एंटीऑक्सीडेंट गुण आंवला में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो बालों को समय से पहले बुढ़ापे से बचाते हैं और उनकी चमक को बनाए रखते हैं।

सावधानिया

सही मात्रा में उपयोग करें आंवला का अत्यधिक उपयोग भी त्वचा पर प्रतिक्रिया कर सकता है, इसलिए उचित मात्रा में ही इसका उपयोग करें। किसी भी नए उत्पाद का उपयोग करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। इस तरह, आंवला का उपयोग करने से आप बिना किसी साइड इफेक्ट के अपने बालों की समस्याओं को दूर कर सकते हैं। यह प्राकृतिक उपाय न केवल बालों को काला करने में मदद करता है बल्कि उन्हें स्वस्थ और मजबूत भी बनाता है।

परफेक्ट ट्रेडिशनल लुक के लिए एक्ट्रेसेस के लुक से लें आइडिया, लगेंगी रूप की रानी

महिलाएं शादी या अन्य किसी फंक्शन में परफेक्ट ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए लहंगा वियर करना पसंद करती हैं। लहंगे में महिलाएं बेहद खूबसूरत लगती हैं और लुक भी सबसे अलग होता है। वहीं आप भी यदि शादी में पहनने के लिए एक्ट्रेसेस की तरह परफेक्ट ट्रेडिशनल लुक चाहती हैं, तो हम आपको कुछ बॉलीवुड अभिनेत्रियों के लहंगा लुक्स के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी इनके लुक्स से आइडिया लेकर शादी के अलावा अन्य कई फंक्शन में कैरी कर सकती हैं।

गोल्डन लहंगा

परफेक्ट ट्रेडिशनल लुक के लिए गोल्डन लहंगा बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इस तरह के लहंगे में एम्ब्रायडरी की गई है। आप हल्दी या फिर रिसेप्शन के दौरान इस लहंगे को वियर कर सकती हैं। वहीं आप एक्ट्रेस पूजा हेगड़े के लुक से इस लहंगे को स्टाइल करने का आइडिया ले सकती हैं। आप इसके साथ झुमके या चोकर स्टाइल वाली ज्वेलरी कैरी कर सकती हैं। आप मार्केट या फिर किसी डिजाइनर से सिलवा सकती हैं। मार्केट में आपको यह लहंगा 3000 रुपए तक में आसानी से मिल जाएगा।

पेस्टल लहंगा

इस तरह के लहंगे को आप शादी जैसे फंक्शन में कैरी कर सकती हैं। आप इस आउटफिट के साथ कुंदन वर्क वाली ज्वेलरी और हील्स वाली फुटवियर पहन सकती हैं। बता दें कि इस तरह के लहंगे आप ऑनलाइन और ऑफलाइन में 5,000 रुपए तक में आसानी से मिल जाएंगे। वहीं आप चाहें तो इस तरह के लहंगे को डिजाइन भी करवा सकती हैं।

फिश टेल स्कर्ट

अगर आप भीड़ में अगल नजर आना चाहती हैं, तो आप फिश टेल स्कर्ट भी वियर कर सकती हैं। बता दें कि इस तरह के आउटफिट के साथ आप कुंदन वर्क वाली ज्वेलरी के साथ झुमके स्टाइल कर सकती हैं। मार्केट में इस तरह के लहंगे आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन में 3000 से 5000 रुपये के बीच में मिल जाएंगे।

अफगानिस्तान ने एशिया कप टी20 में रनों के लिहाज से तीसरी बड़ी जीत दर्ज की, हांगकांग को हराया

अबु धाबी। गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की मदद से अफगानिस्तान ने हांगकांग को एशिया कप के ग्रुप बी मुकाबले में 94 रनों से हराकर विजयी शुरुआत की। अफगानिस्तान ने सेदिकुल्लाह अटल और अजमातुल्लाह ओमरजई के अर्धशतकों से 20 ओवर में छह विकेट पर 188 रन बनाए। जवाब में हांगकांग की टीम 100 रन भी नहीं बना सकी और 20 ओवर में नौ विकेट पर 94 रन ही बना पाई और उसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। यह एशिया कप टी20 में रनों के लिहाज से किसी टीम की तीसरी बड़ी जीत है।

हांगकांग की पारी

हांगकांग ने पहले सलामी बल्लेबाज अंशुमान राथ का विकेट गंवाया जो खाता खोले बिना आउट हुए। इसके बाद अजमातुल्लाह ने जीशान अली को आउट किया जो पांच रन बनाकर पवेलियन लौटे। फिर निजाकत खान रन आउट हुए जो खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, कल्हान चल्लू भी चार रन बनाकर रन आउट हुए। बाबर ने किंचित शाह के साथ मिलकर टीम को संभालने की कोशिश की और दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 21 रन जोड़े, लेकिन नूर अहमद ने किंचित को आउट कर हांगकांग को एक और झटका दिया। किंचित छह रन बनाकर आउट हुए। हांगकांग को बाबर हयात के रूप में छठा झटका लगा जो 43 गेंदों पर तीन छक्कों की मदद से 39 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाना शुरू कर दिए। अफगानिस्तान की ओर से फजलहक फारूकी और गुलबदिन नईब ने दो–दो विकेट लिए, जबकि अजमातुल्लाह ओमरजई, राशिद खान और नूर अहमद को एक–एक विकेट मिले।

अफगानिस्तान की खराब शुरुआत

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। अफगानिस्तान के लिए सेदिकुल्लाह अटल और रहमानुल्लाह गुरबाज ने पारी की शुरुआत की, लेकिन यह सलामी जोड़ी बड़ी साझेदारी नहीं कर सकी। अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 26 रन के स्कोर पर दो विकेट गंवा दिए। अफगानिस्तान को रहमानुल्लाह गुरबाज के रूप में पहला झटका लगा जो पांच गेंदों पर एक

छक्के की मदद से आठ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद इब्राबिम जादरान भी एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। हांगकांग को शुरुआती सफलता आयुष शुक्ला ने दिलाई। इसके बाद अतीक इकबाल ने जादरान को विकेटकीपर जीशान अली के हाथों कैच कराया।

सेदिकुल्लाह–नबी ने अफगानिस्तान को संभाला

शुरुआती झटकों के बाद सेदिकुल्लाह और मोहम्मद नबी ने टीम की पारी को संभाला। नबी और सेदिकुल्लाह के बीच तीसरे विकेट के लिए 51 रनों की साझेदारी हुई। नबी 26 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें केडी शाह ने अपना शिकार बनाया। अफगानिस्तान को चौथा झटका गुलबदिन नईब के रूप में लगा था जो पांच रन बनाकर आउट हुए। सेदिकुल्लाह ने इस बीच 51 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया।

ओमरजई–सेदिकुल्लाह के अर्धशतक

सेदिकुल्लाह का साथ ओमरजई ने बखूबी निभाया। ओमरजई ने 20 गेंदों पर अर्धशतक लगाया, लेकिन अगली ही गेंद पर वह अपना विकेट गंवा बैठे। ओमरजई और सेदिकुल्लाह के बीच अच्छी साझेदारी हो रही थी और दोनों बल्लेबाज आक्रामक अंदाज में खेल रहे थे, लेकिन आयुष शुक्ला ने अजमातुल्लाह को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। ओमरजई ने सेदिकुल्लाह अटल के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी की। ओमरजई 21 गेंदों पर दो चौकों और पांच छक्कों की मदद से 53 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद करीम जनत भी दो रन बनाकर पवेलियन लौटे। सेदिकुल्लाह 52 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 73 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि कप्तान राशिद खान तीन बनाकर नाबाद लौटे। हांगकांग के लिए आयुष और किंचित को दो–दो विकेट मिले, जबकि अतीक इकबाल और एहसान खान को एक–एक सफलता मिली।

संक्षिप्त

आरबीआई ने यस बैंक के निदेशक मंडल में बदलाव का मंजूरी दी

यस बैंक ने बुधवार को कहा कि आरबीआई ने बोर्ड में नामित निदेशकों की नियुक्ति के संबंध में बैंक के गठन और कामकाज से जुड़े नियमों में प्रस्तावित बदलावों को मंजूरी दे दी है। ये बदलाव सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) के दो नामित निदेशकों और एसबीआई के एक नामित निदेशक को बोर्ड में नामित करने से संबंधित हैं। बोर्ड में ये बदलाव जापान के एसएमबीसी द्वारा यस बैंक में एसबीआई और अन्य सात बैंकों की हिस्सेदारी हासिल करने के बाद प्रभावी होंगे। यस बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बैंक को गठन और कामकाज से जुड़े नियमों (आर्टिकल ऑफ एसोसएिशन–एओए) में प्रस्तावित संशोधनों के लिए नौ सितंबर, 2025 के पत्र के माध्यम से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से मंजूरी मिल गई है। यस बैंक ने नौ माई खुलासा किया था कि एसएमबीसी ने 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की योजना बनाई है। इसमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से 13.19 प्रतिशत और सात अन्य बैंकों... एक्सिस बैंक, बंधन बैंक, फेडरल बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक से 6.81 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है। इस महीने की शुरुआत में, प्रस्तावित सौदे को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी मिल गई थी। पिछले महीने, आरबीआई ने भी इस सौदे को मंजूरी दे दी थी। इसमें स्पष्ट किया गया था कि एसएमबीसी को यस बैंक के प्रवर्तक के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाएगा। एसबीआई, की वर्तमान में बैंक में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस सौदे के बाद उसकी हिस्सेदारी घटकर 10 प्रतिशत से थोड़ी अधिक हो जाएगी।

एज्योर पावर ने रिश्वत मामला अमेरिकी अदालत में 2.3 करोड़ डश्वलर में निपटाया

सौर ऊर्जा विनिर्माता एज्योर पावर ने कथित रिश्वतखोरी और अन्य अनियमितताओं से जुड़े मामले को अमेरिकी जिला न्यायालय में 2.3 करोड़ डॉलर का भुगतान कर निपटा लिया है। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कंपनी ने मंगलवार को कहा कि यह निपटान उसे आगे बढ़ने में सक्षम बनाएगा। न्यूयॉर्क जिला न्यायालय में दायर अभियोग के मुताबिक, एज्योर और इसके पूर्व कार्यकारी अधिकारियों– रंजीत गुप्ता, मुरली सुब्रमण्यम एवं पवन कुमार अग्रवाल पर आंकड़ों को गलत ढंग से पेश करने और नई परियोजनाएं हासिल करने के लिए कथित तौर पर रिश्वत देने का आरोप था। अभियोग के मुताबिक, कंपनी के इन अधिकारियों ने भ्रष्टाचार–रोधी और रिश्वत–रोधी कानूनों का उल्लंघन करने के साथ निवेशकों को भी नुकसान पहुंचाया, जिन्होंने एज्योर के शेयर कृत्रिम रूप से बढ़ी कीमतों पर खरीदे। कंपनी ने बताया कि अप्रैल, 2025 में कंपनी और अदालत द्वारा नियुक्त प्रमुख शिकायतकर्ता के बीच निपटान समझौता हुआ था। इस समझौते को अदालत ने 30 अप्रैल, 2025 को प्रारंभिक मंजूरी दी थी और अब इसे अंतिम मंजूरी भी मिल गई है। निपटान समझौते के अनुरूप 2.3 करोड़ डॉलर की राशि पहले ही निर्दिष्ट एस्क्रो खाते में जमा कर दी गई है। एक जनवरी, 2020 से 20 नवंबर, 2024 के बीच एज्योर के शेयर खरीदने वाले सभी व्यक्तियों और संस्थाओं में यह निपटान राशि वितरित की जाएगी। एज्योर पावर ने कहा, ''कंपनी उच्चतम नैतिक एवं नियामकीय मानकों के पालन के लिए प्रतिबद्ध है। यह निपटान कंपनी को टिकाऊ ऊर्जा समाधान देने और शेयरधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाएगा।

रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की बढ़त के साथ 88.10 प्रति डॉलर पर

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह और अन्य विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर होने से बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ 88.10 प्रति डॉलर पर खुला। हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि ने स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त को रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.11 पर खुला और फिर 88.10 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त है। मंगलवार को रुपये ने अपनी शुरुआती बढ़त गंवा दी छह पैसे टूटकर 88.15 प्रति डॉलर के अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को, रुपये ने दिन में कारोबार के दौरान 88.38 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर को छुआ था। हालांकि, बाद में यह तीन पैसे बढ़कर 88.09 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.45 प्रतिशत गिरकर 97.90 पर आ गया। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.86 प्रतिशत बढ़कर 66.96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

यूपीआई–यूपीयू एकीकरण परियोजना की शुरुआत, सीमा पार पैसा भेजना होगा आसान

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दुबई में 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में यूपीआई–यूपीयू एकीकरण परियोजना की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन इंटरकनेक्शन मंच की खासियत को मिलाकर सीमापार धन भेजने में बदलाव लाना है। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। इस अवसर पर सिंधिया ने कहा कि यह 'एक तकनीकी पेशकश' से कहीं बढ़कर एक सामाजिक समझौता है। डाक नेटवर्क की विश्वसनीयता और यूपीआई की गति के मेल से दूसरे देश में रहने वाले परिवार तेजी से, सुरक्षित और बहुत कम लागत पर पैसा भेज सकते हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक, भारतीय डाक विभाग (डीओपी), एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) द्वारा विकसित यह पहल भारतीय भुगतान प्रणाली यूपीआई को यूपीयू इंटरकनेक्शन मंच के साथ एकीकृत करती है और डाक नेटवर्क की पहुंच को यूपीआई की गति और क्षमता के साथ जोड़ती है।

बैजबॉल की आलोचना करने वालों पर इंग्लैंड के कोच मैकुलम ने साधा निशाना, बोले- यह खिलाड़ियों का अपमान

लंदन। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि क्रिकेट का बैजबॉल ब्रांड कोई कड़ी खेल शैली नहीं है बल्कि यह खिलाड़ियों को स्वच्छंद होकर खेलने की छूट देने से जुड़ा है तथा इसको लेकर गलत धारणाएं खिलाड़ियों के लिए अपमानजनक है। मैकुलम ने 2022 में इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कमान संभाली और आक्रामक अंदाज में क्रिकेट खेलने को प्राथमिकता दी। क्रिकेट जगत ने इस शैली को बैजबॉल नाम दिया, लेकिन मैकुलम को यह शब्द पसंद नहीं है।

बीबीसी स्पोर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, मैकुलम ने श्फॉर द लव ऑफ क्रिकेटश पॉडकास्ट में कहा, हमारे अंदर कभी भी अपने बारे में ऐसी मानसिकता नहीं रही है। चीजों को लेकर हमारा रवैया सख्त नहीं है। उन्होंने कहा, हम जिस तरह की क्रिकेट खेलते हैं उसको लेकर कुछ गलत धारणा है। मुझे लगता है कि यह सभी खिलाड़ियों और टीम के अन्य सदस्यों के लिए अपमानजनक है। हम कड़ी मेहनत करते हैं और सफल होना चाहते हैं, लेकिन हमें इस तरह से वर्गीकृत करना सही नहीं है।न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि उनका जोर हमेशा खिलाड़ियों की मानसिकता पर रहा है, न कि किसी विशेष तरीके से खेलने पर। मैकुलम ने कहा, हमारे लिए यह एक ऐसा माहौल तैयार करने से जुड़ा है जिसमें हम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दबाव को झेलने और अपनी भूमिका को अच्छी तरह से समझने पर जोर देते हैं। मैकुलम ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी अपने कौशल का खुलकर प्रदर्शन करें। इसलिए एक निश्चित शैली या खेलने के तरीके पर विश्वास रखने से हमारी सफलता की संभावना बढ़ जाती है। मैकुलम की देखरेख में हाल ही में इंग्लैंड को भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2–2 की बराबरी से संतुष्ट करना पड़ा था। भारत ने युवा कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में शानदार प्रदर्शन किया था।

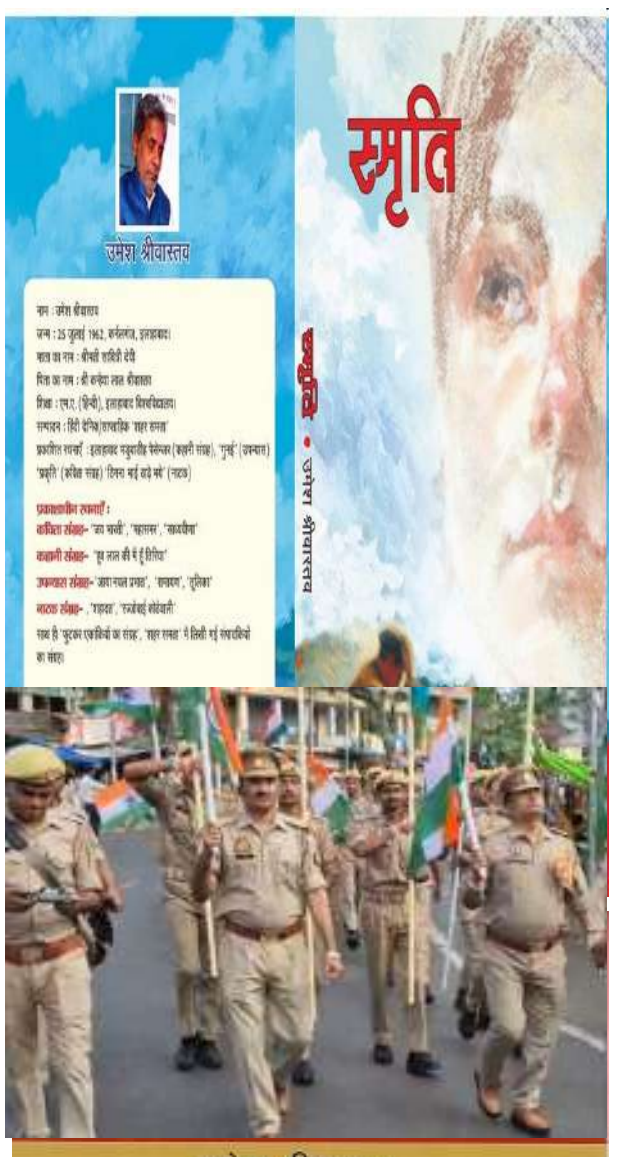

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

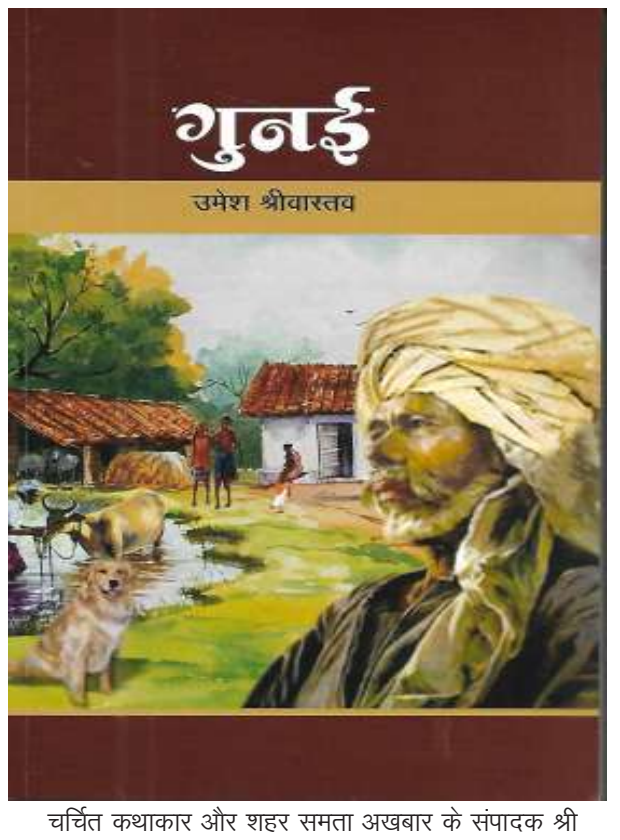

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

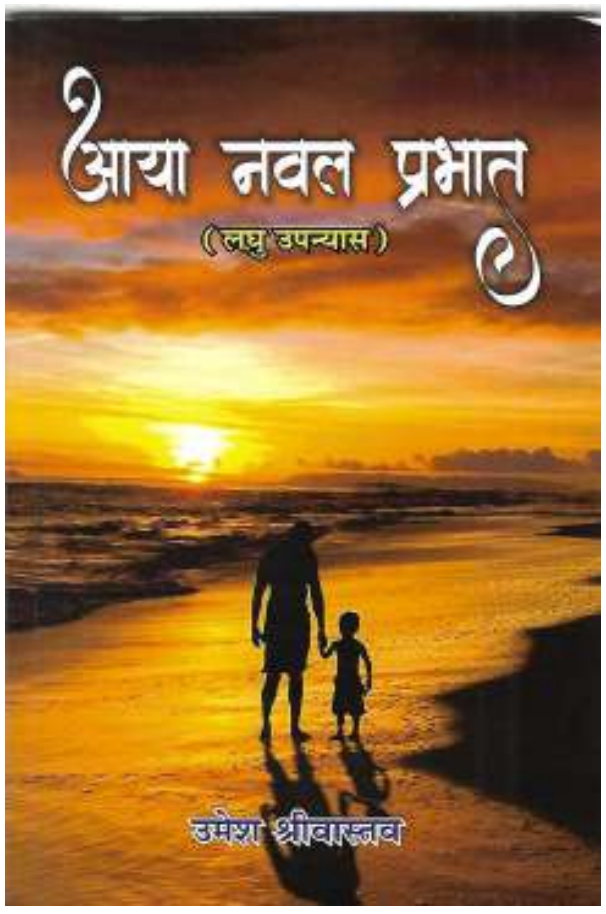

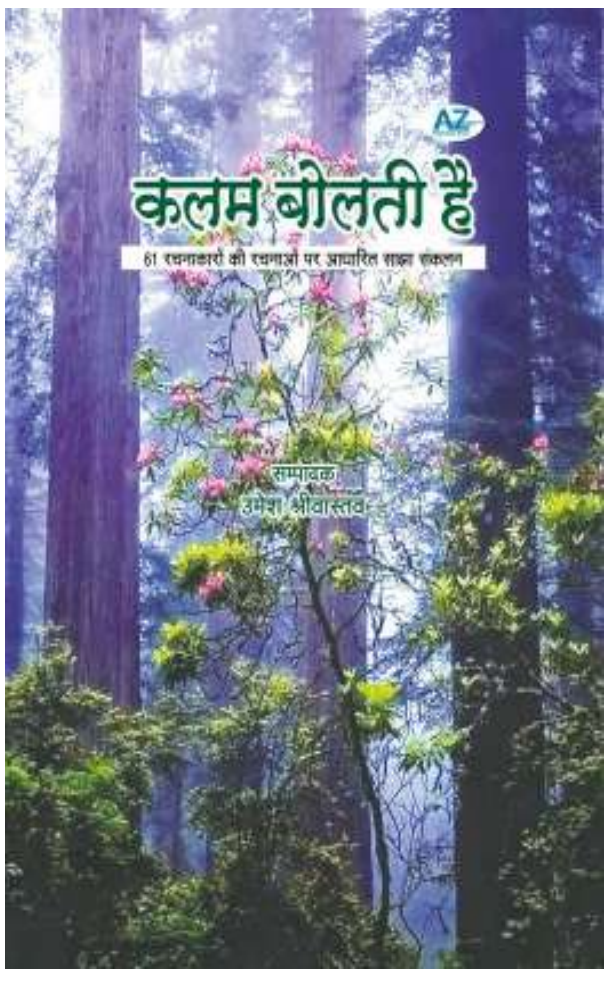

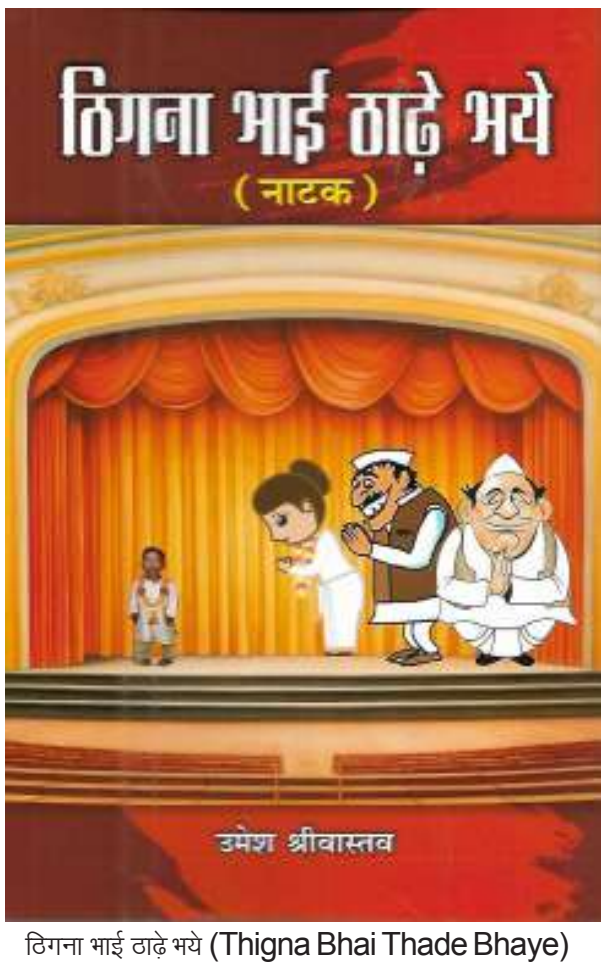

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ओली के इस्तीफे के बाद नेपाल में सेना ने संभाली कमान, कर्फ्यू के बीच लूटपाट-हिंसा पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

केपी शर्मा ओली सरकार को गिराने वाले देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के बाद काठमांडू से मौत, तबाही और आगजनी की भयावह तस्वीरें सामने आने के बीच, नेपाली सेना ने नई सरकार के गठन तक इस हिमालयी देश में शांति सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी संभाल ली है। कर्फ्यू लगा दिया गया है और सेना ने कहा है कि तोड़फोड़, लूट या किसी व्यक्ति पर हमले की घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में सबसे ज़्यादा चर्चा में सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिगदेल हैं, जिन्होंने प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्ण समाधान के लिए बातचीत करने की अपील की है। सेना ने मौजूदा संकट के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखने के प्रयासों में सहयोग देने के लिए नागरिकों का आभार व्यक्त किया, साथ ही विरोध प्रदर्शनों के दौरान जान-माल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया। सेना ने चेतावनी दी कि अराजक व्यक्ति और समूह आंदोलन में घुसपैठ कर रहे हैं, तोड़फोड़, आगजनी, लूटपाट, हिंसक हमले और यौन उत्पीड़न के प्रयास कर रहे हैं। सेना ने सभी से आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सहयोग करने का आग्रह किया।

आंदोलन के नाम पर लूटपाट, हमलाः कर्फ्यू के बीच नेपाल सेना की भीड़ को चेतावनी

पिछले साल शीर्ष पद संभालने वाले 58 वर्षीय जनरल ने कल रात एक टेलीविज़न संबोधन में स्तब्ध राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ष्हम प्रदर्शनकारी समूह से अपील करते हैं कि वे अपने विरोध कार्यक्रम रोक दें और राष्ट्र के लिए शांतिपूर्ण समाधान हेतु बातचीत के लिए आगे आएँ। हमें वर्तमान कठिन परिस्थितियों को सामान्य बनाने, अपनी ऐतिहासिक और राष्ट्रीय धरोहरों, सार्वजनिक और निजी संपत्ति की रक्षा करने और आम जनता तथा राजनयिक मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

नेपाल जेन-जेड अशांतिरू प्रदर्शनकारियों ने घोषणा जारी की, नए चुनाव और तत्काल कार्रवाई की मांग की

जेन-जेड आंदोलन ने नेपाल में बड़े राजनीतिक सुधारों का आह्वान करते हुए एक सार्वजनिक घोषणा जारी की है। इसमें इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि यह संघर्ष राष्ट्र के भविष्य के लिए है, किसी पार्टी या व्यक्ति से जुड़ा नहीं है। आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाएगा और उनके परिवारों को सम्मान और सहायता प्रदान की जाएगी।

प्रमुख माँगें-

वर्तमान प्रतिनिधि सभा को तत्काल भंग किया जाए।

नागरिकों और युवाओं की भागीदारी के साथ संविधान में संशोधन किया जाए या उसका पुनर्लेखन किया जाए।

अंतरिम अवधि के बाद नए और निष्पक्ष चुनाव कराए जाएँ।

प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित कार्यकारी नेतृत्व का गठन किया जाए।

तत्काल कार्रवाई-

पिछले 30 वर्षों में अवैध रूप से अर्जित संपत्ति की जाँच की जाए और उसका राष्ट्रीयकरण किया जाए।

पाँच प्रमुख क्षेत्रों का पुनर्गठन किया जाएरू शिक्षा, स्वास्थ्य, न्याय, सुरक्षा और संचार।

नेपाल में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के एक दिन बाद बुधवार सुबह से ही सेना के जवान प्रतिबंध के आदेश लागू करने और शांति बहाल करने के लिए काठमांडू और अन्य शहरों में तैनात हो गए। इस प्रदर्शन के कारण के पी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा है। मंगलवार रात 10 बजे पूरे देश के सुरक्षा अभियानों की कमान संभालने वाली नेपाली सेना ने ओली के पद छोड़ने के घंटों बाद भी जारी अशांति को नियंत्रित करने के लिए काठमांडू, ललितपुर और भक्तपुर शहरों समेत देश भर के कई क्षेत्रों में प्रतिबंध लगा दिए हैं।

सेना ने एक बयान में कुछ समूहों की कार्रवाइयों पर चिंता व्यक्त की, जो ''कठिन परिस्थितियों का अनुचित लाभ उठा रहे हैं'' और ''आम नागरिकों तथा सार्वजनिक संपत्ति को गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं।'' नेपाल सेना मुख्यालय के एक अधिकारी ने कहा, ''हमने लूटपाट और तोड़फोड़ सहित किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अपने सैनिकों को तैनात किया है।'' उन्होंने बताया कि प्राधिकारियों ने निवासियों को यह आदेश भी जारी किया है कि वे ''अत्यंत आवश्यक'' न होने तक घर के अंदर ही रहें, ताकि आगे अशांति को रोका जा सके। सुबह से ही काठमांडू की आम तौर पर चहल-पहल वाली सड़कें वीरान दिखीं। कुछ ही लोग घरों से बाहर निकले और वो भी खासकर रोज़मर्रा की जरूरत की चीजें खरीदने के लिए। सड़कों पर सुरक्षाकर्मियों की कड़ी गश्त है और मंगलवार को प्रदर्शनकारियों द्वारा सरकारी और निजी इमारतों में लगा दी गई आग को बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियां देखी गईं। प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को संसद, राष्ट्रपति कार्यालय, प्रधानमंत्री आवास, सरकारी भवनों, राजनीतिक दलों के कार्यालयों और वरिष्ठ नेताओं के घरों में आग लगा दी थी। भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर सरकार के प्रतिबंध के खिलाफ सोमवार को 'जेन-जी' द्वारा किए गए प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई में कम से कम 19 लोगों की मौत के बाद सैकड़ों प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री ओली के इस्तीफे की मांग को लेकर उनके कार्यालय में घुस गए थे जिसके तुरंत बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध सोमवार रात हटा लिया गया था।

संक्षिप्त

नेपाल में बवाल के बीच तोड़ दी जेल, भागे 6,000 कैदी

हिंसक प्रदर्शनों के बीच नेपाल की अलग-अलग जेलों से कैदियों के भागने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जेलों से भागने का एक बड़ा मामला सामने आया है। 18 ज़िलों की जेलों से 6,000 से ज़्यादा कैदी फरार हो गए हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि कई जगहों पर कैदियों ने जेल के दरवाज़े तोड़ दिए, जबकि कुछ जगहों पर उन्होंने बाहर निकलने के

लिए चारदीवारी तोड़ दी। इस सामूहिक जेल ब्रेक ने देश में पहले से ही व्याप्त अराजकता को और बढ़ा दिया है, जिससे अधिकारियों को नियंत्रण पाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

नेपाल सेना ने विरोध प्रदर्शनों के बीच राष्ट्रपति भवन पर कब्ज़ा किया

नेपाल सेना ने राष्ट्रपति भवन, जिसे शीतल निवास के नाम से जाना जाता है, पर कब्ज़ा कर लिया है। भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा इसे क्षतिग्रस्त और आग लगा दिए जाने के बाद, इसे नेपाल सेना ने अपने नियंत्रण में ले लिया है। प्रदर्शनकारियों का दावा था कि उनका आंदोलन जन अधिकारों, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग के लिए था। हालाँकि, यह आंदोलन हिंसक हो गया और आगजनी और सरकारी संपत्ति पर हमलों की घटनाओं ने देश में तनाव को और बढ़ा दिया। सरकारी अधिकारियों और सुरक्षा बलों ने अब इलाके की घेराबंदी कर दी है और स्थिति को नियंत्रण में लाने के प्रयास कर रहे हैं।

नेपालगंज में कर्फ्यू लगा, ज़रूरी कामों की इजाज़त

बढ़ते तनाव के बीच नेपालगंज में कर्फ्यू लगा दिया गया है। हालाँकि, आपातकालीन सेवाएँ जारी रहेंगी और ज़रूरी काम से यात्रा करने वालों को नहीं रोका जा रहा है। भारतीय सुरक्षा बल कथित तौर पर स्थिति पर नज़र रखने के लिए नेपाली सेना के संपर्क में हैं।

ट्रंप ने अपनी कार्रवाई का प्रचार करने के लिए 'व्हाइट हाउस' के पास रेस्तरां में रात्रि भोज किया

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने, वॉशिंगटन में अपराध पर लगाम लगाने के लिए 'नेशनल गार्ड' तैनात करने और पुलिस को संघीय नियंत्रण में लेने के अपने प्रयासों का प्रचार करने के लिए मंगलवार रात 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आवास एवं कार्यालय) के पास एक रेस्तरां में रात्रि भोज किया। पिछले कुछ हफ्तों से ट्रंप दावा कर रहे हैं कि उन्होंने संघीय एजेंसियों और सैन्य बलों की तैनाती के जरिए वॉशिंगटन को ''एक सुरक्षित स्थान'' बना दिया है। इसी दावे के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। राष्ट्रपति का काफिला शहर के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित '15वीं स्ट्रीट' पर स्थित 'जो स सीफूड, प्राइम स्टेक एंड स्टोन क्रैब' रेस्तरां पहुंचा। वाशिंगटन में रहते हुए ट्रंप शायद ही कभी 'व्हाइट हाउस' के बाहर भोजन करते हैं। जब से उन्होंने अपने नाम वाला होटल बेचा है, तब से उनका बाहर जाना और भी कम हो गया है। यह होटल 'व्हाइट हाउस' से कुछ ही दूरी पर था। 'व्हाइट हाउस' ने मंगलवार को बताया कि ट्रंप द्वारा सात अगस्त को की गई संघीय कार्रवाई की घोषणा के बाद से अब तक लगभग 2,200 गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं। हालांकि, कुछ रेस्तरां मालिकों ने बताया है कि सात अगस्त को ट्रंप द्वारा संघीय कार्रवाई की घोषणा के बाद से उनकी बुकिंग में गिरावट आई है। इसके अलावा, उनके इस कदम के विरोध में सड़कों पर लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। सैन्य और पुलिस बलों की बढ़ती तैनाती ने आमतौर पर शांत रहने वाले इलाकों में भी स्थानीय निवासियों और अधिकारियों के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न कर दी है।

नेपाल में जारी अराजकता से अब ऐसे निपटेगी सेना, प्रदर्शनकारियों को दी बड़ी चेतावनी

काठमांडू में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली द्वारा अपने इस्तीफे की घोषणा के बाद नेपाल में राजनीतिक उथल-पुथल मच गई। स्थिति तब और बिगड़ गई जब सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने उनके आधिकारिक कार्यालय और निजी आवास पर धावा बोल दिया। यह घटना एक विवादास्पद सोशल मीडिया प्रतिबंध को लेकर हुई हिंसक झड़पों

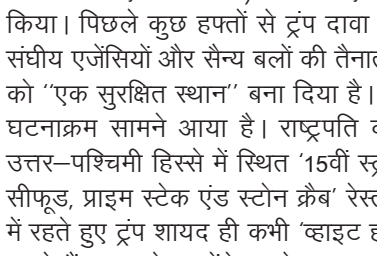

में 20 से ज़्यादा लोगों की जान लेने के एक दिन बाद हुई। कई कैबिनेट मंत्रियों द्वारा सरकार पर जनता की शिकायतों की अनदेखी करने का आरोप लगाने के बाद यह संकट और गहरा गया। ओली ने अपने इस्तीफे से कुछ घंटे पहले ही शांति की अपील की थी और प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने का आग्रह किया था। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पड़ोसी देश में चल रहे घटनाक्रम का आकलन करने के लिए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक की अध्यक्षता की। नेपाल के पीएम के इस्तीफे के बाद सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों ने एक संयुक्त अपील की है। उन्होंने लोगों से संयम बरतने और बातचीत के जरिए संकट का समाधान निकालने की अपील की है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

रुक जाओ...नेपाल हिंसा में हुई भारत की एंट्री, आया पीएम मोदी का पहला बड़ा बयान

नेपाल की सड़कों पर भड़की हिंसा पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है। पड़ोसी मुल्क में लगी आग को देखते हुए भारत भी चिंतित है। भारत ने पहले ही नेपाल में मौजूद अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर दी है। भारत सरकार भी इस पूरे मामले को लेकर बहुत करीब से नजर रखे हुए है। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से भी इस पर पहली प्रतिक्रिया आई। अब इंतजार प्रधानमंत्री मोदी का था। वो भी इस पूरे मामले को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नेपाल के घटनाक्रम पर चर्चा के लिए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मोदी ने इस बात जोर दिया कि नेपाल की स्थिरता, शांति और समृद्धि भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मोदी ने कहा कि नेपाल में हुई हिंसा हृदय विदारक है। उन्होंने नेपाल के नागरिकों से शांति की अपील की। नेपाल में भ्रष्टाचार व सोशल मीडिया पर पाबंदी से भड़के जेन जी के आंदोलन की आग में 24 घंटे के अंदर ओली सरकार की सत्ता का सिंहासन फूंक दिया गया। पुलिस फायरिंग में 24 युवाओं की मौत के बाद देशभर में हिंसा भड़क उठी। दबाव इतना बढ़ा कि कई मंत्रियों के इस्तीफा देने के बाद पीएम केपी शर्मा ओली को भी इस्तीफा देना पड़ा। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने इस्तीफा तुरंत स्वीकार कर लिया। इसके बाद ओली हेलीकॉप्टर से सुरक्षित जगह भाग गए। इस्तीफे के बावजूद आक्रोश नहीं थमा। भीड़ ने राष्ट्रपति निवास, संसद, सुप्रीम कोर्ट, पीएम निवास सहित मंत्रियों के घर फूंक दिए। ओलीका निजी घर भी फूंका गया। नेपाल में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के एक दिन बाद बुधवार सुबह से ही सेना के जवान प्रतिबंध के आदेश लागू करने और शांति बहाल करने के लिए काठमांडू और अन्य शहरों में तैनात हो गए। इस प्रदर्शन के कारण के पी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा है। मंगलवार रात 10 बजे पूरे देश के सुरक्षा अभियानों की कमान संभालने वाली नेपाली सेना ने ओली के पद छोड़ने के घंटों बाद भी जारी अशांति को नियंत्रित करने के लिए काठमांडू, ललितपुर और भक्तपुर शहरों समेत देश भर के कई क्षेत्रों में प्रतिबंध लगा दिए हैं।

कांगो में विद्रोहियों ने अंतिम संस्कार में शामिल 100 लोगों की हत्या की

पूर्वी कांगो में एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्स के विद्रोहियों ने एक अंतिम संस्कार के दौरान 100 लोगों की निर्मम हत्या कर दी। इसे इस्लामिक स्टेट समर्थित समूह की ओर से किया गया सबसे बड़ा हमला बताया जा रहा है। स्थानीय प्रशासक मैकेयर सिविकुनुला ने बताया कि यह हमला सोमवार रात उत्तरी किवु प्रांत के लुबेरो क्षेत्र के नतोयो में हुआ। विद्रोहियों ने शोक समारोह में शामिल होने आए लोगों पर चाकू से हमला किया और गोलियों से भून दिया।

बांग्लादेश ने भारत को 1,200 टन हिल्सा के निर्यात की दी अनुमति

बांग्लादेश ने दुर्गा पूजा से पहले भारत को 1,200 टन हिल्सा मछली के निर्यात की अनुमति देने का फैसला किया है। बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार देर रात एक अधिसूचना में कहा, सरकार ने चालू वर्ष में भारत को 1,200 मीट्रिक टन हिल्सा सशर्त निर्यात करने का नीतिगत निर्णय लिया है। इच्छुक निर्यातकों से 11 सितंबर शाम 5 बजे तक आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। सरकार ने प्रति किलोग्राम हिल्सा का न्यूनतम निर्यात मूल्य 12.50 अमेरिकी डॉलर निर्धारित किया है।

भारतवंशी तेजस्वी को टाइम मैग्जीन का किड ऑफ द ईयर अवार्ड

भारतवंशी तेजस्वी मनोज को टाइम मैग्जीन के किड ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए चुना गया गया है। 17 वर्षीय तेजस्वी वृद्धों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाने और उसकी रिपोर्ट करने में मदद करने का काम करती हैं। टेक्सास के फ्रिस्को की तेजस्वी को उनके नवाचार शील्ड सीनियर्स के लिए प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया। टाइम ने कहा, बुजुर्ग अमेरिकियों को सुरक्षा की जरूरत है और तेजस्वी उन्हें स्पष्ट रूप से सुरक्षा प्रदान करने के लिए दृढ़ हैं।

गाजा में हमलों पर इस्राइल के खिलाफ यूरोपीय संघ, लेयेन ने की प्रतिबंध लगाने और व्यापार बंद करने की मांग

गाजा पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर यूरोपीय संघ के इस्राइल के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी की है। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि वह गाजा में युद्ध को लेकर इस्राइल पर प्रतिबंध लगाने और आंशिक व्यापार निलंबन की मांग करने की योजना बना रही हैं। लेयेन ने कहा कि यूरोपीय संघ अगले महीने एक फलस्तीनी दानदाता समूह का गठन करेगा। इसका एक हिस्सा गाजा के भविष्य के पुनर्निर्माण पर केंद्रित होगा। गाजा की घटनाओं और बच्चों व परिवारों की पीड़ा ने दुनिया की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि मानव निर्मित अकाल कभी भी युद्ध का हथियार नहीं हो सकता। बच्चों की खातिर, मानवता की खातिर इसे रोकना होगा। हालांकि 27 देशों वाले यूरोपीय संघ में इस्राइल और फलस्तीनियों के प्रति अलग-अलग दृष्टिकोण है। वॉन डेर लेयेन की यह टिप्पणी उस दिन आई है जब इस्राइल की सेना ने गाजा के निवासियों को चेतावनी दी थी कि वे उस जगह को खाली कर दें, जहां इस्राइल हमास का सफाया कर रहा है। साथ ही लाखों लोग अकाल की स्थिति में हैं। वहीं मंगलवार को कतर में हमास नेताओं को निशाना बनाकर किए जाने वाले इस्राइल ने हमला किया था। गाजा में युद्ध तब शुरू हुआ जब हमास के नेतृत्व वाले उग्रवादियों ने सात अक्तूबर 2023 को 251 लोगों का अपहरण कर लिया और लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी, जिनमें ज़्यादातर इस्राइली नागरिक थे। गाजा में अभी भी 48 बंधक हैं, जिनमें से लगभग 20 के जीवित होने की संभावना है। गाजा में जारी संघर्ष के बीच फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मौत का आंकड़ा 64,000 को पार कर गया है। लगातार हो रही हिंसा और हवाई हमलों से हालात बेहद खराब

हैं। इस्राइल और हमास दोनों अपने-अपने कड़े रुख पर कायम हैं और किसी समझौते के संकेत नहीं दिख रहे हैं। गाजा के कई इलाकों में मलबे के नीचे लोगों को खोजने का काम जारी है, जबकि अस्पतालों में घायलों की भीड़ बढ़ती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द संघर्ष नहीं रुका, तो मानवीय संकट और गहरा जाएगा।

इस्राइल बोला- यरूशलम हमले के आरोपियों के घर ढहाए जाएंगे

इस्राइल ने यरूशलम में बस स्टॉप पर हुए हमले के मामले में कड़ा कदम उठाया है। सरकार ने हमले के दोनों आरोपियों, उनके रिश्तेदारों तथा कस्बे के रहने वाले अन्य लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाने का आदेश दिया है। यही नहीं, हमलावरों के रिश्तेदारों व उनके गांवों के सैकड़ों लोगों का वर्क परमिट भी रद्द किया जाएगा। यरूशलम के बस स्टॉप पर सोमवार को बंदूकधारियों के हमले में छह लोग मारे गए थे, जबकि कई घायल हुए थे। दोनों बंदूकधारी मौके पर ही मारे गए थे। दोनों हमलावर इस्राइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के कतन्ना और कुबेइबा कस्बों के रहने वाले थे। रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने एक बयान में कहा कि उन्होंने हमलावरों के परिवार के सदस्यों और दोनों कस्बों के बाशिंदों पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।